माघ शुक्ल - 13 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 195 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 10-02-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 'भारत के बाद चैंपियंस ट्रॉफी में न्यूजीलैंड सबसे मजबूत टीमों में से एक'

6 धनाढ्यों के विदेश पलायन पर प्रदर्शन क्यों नहीं?

7 श्रद्धा कपूर ने दी सलाह, एंगल बदलो, रंग नही

फर्स्ट टेक

बेंगलूरु पुलिस ने एड शीरन का स्ट्रीट शो रोका

बेंगलूरु। बेंगलूरु पुलिस ने ब्रिटिश गायक-गीतकार एड शीरन का लाइव स्ट्रीट कार्यक्रम रविवार सुबह रोक दिया। पुलिस ने बताया कि यह कार्यक्रम बिना अनुमति के आयोजित किया जा रहा था। ग्रैमी विजेता शीरन चर्च स्ट्रीट पर अपना हिट गाना 'शेप ऑफ यू' गा रहे थे। इसी दौरान पुलिस ने अचानक कार्यक्रम बंद करा दिया। एक वीडियो में शीरन अपने सुरक्षा कर्मियों के साथ स्ट्रीट शो के लिए पहुंचते नजर आ रहे हैं। शो के दौरान गाने से पहले उन्होंने कहा, हम एक से अधिक गाने बजाने वाले थे, लेकिन हमें केवल एक ही गाने की अनुमति दी गई है। इसके बाद उन्होंने गिटार पर 'शेप ऑफ यू' की धुन बजाई। शीरन गाने का रीफ्रेन (मुख्य धुन) भी पूरा नहीं कर सके। गाने के दौरान एक पुलिस अधिकारी मंच पर पहुंचे और माइक व अन्य उपकरणों के केबल निकाल दिए। कब्बन पार्क पुलिस थाने के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, एड शीरन बिना किसी आधिकारिक अनुमति के कार्यक्रम कर रहे थे, इसलिए हमें कार्यक्रम को रोकना पड़ा।

माली में बंदूकधारियों के हमले में 25 नागरिक मारे गए

बमाको (माली)/एपी। माली की सेना की निगरानी में जा रहे वाहनों के एक काफिले पर बंदूकधारियों ने हमला कर दिया, जिसमें 25 नागरिक मारे गए। एक सैन्य प्रवक्ता ने रविवार को बताया कि मरने वालों में अधिकतर सोने की खदान में काम करने वाले खनिक थे। यह हमला शुक्रवार को देश के उत्तर-पूर्व में स्थित सबसे बड़े शहर गाओ से लगभग 30 किलोमीटर दूर हुआ, जहां सत्तारूढ़ जुंटा के विरोधी सशस्त्र समूह सक्रिय हैं। यह इस वर्ष नागरिकों पर किया गया सबसे घातक हमला था। सेना के प्रवक्ता कर्नल मेजर सौलेमेन डेम्बेले ने 'एसोसिएटेड प्रेस' को बताया कि हमलावरों ने सेना द्वारा संचालित लगभग 60 वाहनों के काफिले को निशाना बनाया।

विभिन्न अखाड़ों में 7,000 से अधिक महिलाओं ने ली संन्यास की दीक्षा

महाकुंभ नगर/भाषा। प्रयागराज महाकुंभ में विभिन्न अखाड़ों में 7,000 से अधिक महिलाओं ने संन्यास की दीक्षा ली। आधिकारिक बयान के मुताबिक, जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी, श्री पंचदशनाम आवाहन अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अरुण गिरी और वैष्णव संतों के धर्माचार्यों के अंतर्गत सनातन से जुड़ने वालों में महिलाओं की संख्या अधिक रही। सभी प्रमुख अखाड़ों में इस बार 7,000 से अधिक महिलाओं ने गुरु दीक्षा ली और सनातन की सेवा का संकल्प लिया।

09-02-2025 सूर्यास्त 6:24 बजे | 10-02-2025 सूर्योदय 6:43 बजे

BSE	NSE
77,860.19	23,559.95
(-197.97)	(-43.40)

सोना	चांदी
8,924 रु.	98,338 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

जीता जो सिकंदर

परिवर्तित परिणात हुए तो,
रहे पराजित मन मसोस कर।
यह चुनाव का अविचल रथ जो,
लोकतंत्र चले निरंतर।
अंतर चाहे न्यून भले पर,
जो जीते वो बने सिकंदर।
काम करेंगे नहीं अगर जो,
हो जाएंगे वे छूमंतर।।

नक्सलवाद को साल भर में जड़ से समाप्त कर दिया जाएगा : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

एकतीस मार्च 2026 से पहले हम देश से नक्सलवाद को जड़ से समाप्त कर देंगे, ताकि देश के किसी भी नागरिक को इसके कारण अपनी जान न गंवानी पड़े।

नई दिल्ली/एजेन्सी। गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों की कार्रवाई में 31 नक्सलियों को ढेर किए जाने को नक्सल मुक्त भारत बनाने की दिशा में एक बडी सफलता बताया और कहा कि साल भर में नक्सलवादी उग्रवादियों को जड़ से खत्म कर दिया जाएगा।

छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों की कार्रवाई में भारी संख्या में हथियार और विस्फोटक सामग्री भी बरामद हुई है।

गृह मंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, नक्सलवाद को समाप्त करने में आज दो बहादुर जवानों को खोया है, यह देश इन वीरों का सदा ऋणी रहेगा।

शाह ने शहीद जवानों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने कहा, सुरक्षा बलों ने छत्तीसगढ़ के बीजापुर में 31 नक्सलियों को मार गिराया है और यह नक्सल मुक्त भारत बनाने की दिशा में सुरक्षा बलों की एक बडी सफलता है। उन्होंने कहा कि इस वहां सुरक्षा बलों के ऑपरेशन में भारी संख्या हथियार और विस्फोटक सामग्री भी बरामद की गयी है।

शाह ने नक्सलवाद को मानवता विरोधी बताया और पुनः यह संकल्प दोहराया, एकतीस मार्च 2026 से पहले हम देश से नक्सलवाद को जड़ से समाप्त कर देंगे, ताकि देश के किसी भी नागरिक को इसके कारण अपनी जान न गंवानी पड़े।

भारत ने इंग्लैंड को चार विकेट से हराया

कटक/एजेन्सी। रवींद्र जडेजा (तीन विकेट) की घातक गेंदबाजी के बाद भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा (119) की शतकीय, शुभमन गिल (60) और अक्षर पटेल (नाबाद 41) की शानदार बल्लेबाजी के दम पर भारत रविवार को दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में इंग्लैंड को 33 गेंदे शेष रहते चार विकेट से हरा दिया है। इसी के साथ भारत ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली हैं। इंग्लैंड के 304 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी रोहित शर्मा और शुभमन गिल की भारतीय सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 136 रनों की साझेदारी की। 17वें ओवर में जेमी ओवर्टन ने शुभमन गिल को आउट कर इंग्लैंड को पहली सफलता दिलाई।

बीजापुर मुठभेड़ में 31 नक्सली ढेर, दो जवान शहीद, दो घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/एजेन्सी। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के नेशनल पार्क क्षेत्र में सुरक्षाबलों की नक्सलियों के साथ हुई मुठभेड़ में बड़ी सफलता हासिल करते हुए 31 नक्सलियों को मार गिराया जबकि इस दौरान सुरक्षा बलों के दो जवान शहीद हो गये तथा दो अन्य घायल हो गये।

वहीं बस्तर के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) पी सुंदर राज ने भी मुठभेड़ में 31 नक्सलियों के मारे जाने की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि इंद्रावती राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र के जंगल में बीजापुर और नारायणपुर से लगी महाराष्ट्र की सीमा पर रविवार सुबह उस समय मुठभेड़ शुरू हो गई, जब सुरक्षाकर्मियों की एक टीम एंटी-नक्सल ऑपरेशन पर थी।

इस पूरे मामले व मुठभेड़ पर विस्तृत जानकारी देते हुए श्री सुंदरराज ने बीजापुर मुठभेड़ पर बताया कि जिला बीजापुर के नेशनल पार्क क्षेत्र में माओवादियों की मौजूदगी की सूचना पर बीजापुर डिआरजी, एसटीएफ और संयुक्त बल को रवाना किया गया था। रविवार को इस ऑपरेशन के दौरान माओवादियों और सुरक्षा बलों के बीच कई बार मुठभेड़ हुईं। मुठभेड़ के बाद सर्चिंग में अब तक कुल 31 माओवादियों के शव बरामद किए गए हैं।

सभी धर्मों में दान के लिए एक कानून बने : विहिप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभ नगर/भाषा। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने रविवार को कहा कि विहिप ने सरकार से कहा है कि सभी धर्मों में दान के लिए एक कानून बनना चाहिए।

यहां विहिप के शिविर में रविवार को संपन्न हुई तीन दिवसीय केंद्रीय प्रन्यासी मंडल की बैठक के बाद कुमार ने कहा, मुस्लिम अल्लाह को जमीन देते हैं तो वह वक्फ की जमीन हो जाती है, लेकिन हिंदू यदि मंदिर को भूमि देते हैं, ईसाई चर्च को जमीन देते हैं, सिख गुरुद्वारे को जमीन देते हैं तो क्या होता है। इसके लिए अलग अलग कानून क्यों बने हुए हैं। उन्होंने कहा,''1954 में जब पहला वक्फ अधिनियम बना था, तो कांग्रेस के दो राज्यसभा सदस्यों ने कानून मंत्री से कहा था कि मुस्लिमों के लिए अलग कानून क्यों। इस पर तत्कालीन कानून मंत्री ने कहा था कि वह इस पर एक कानून बनाने पर विचार कर रहे हैं। अब समय आ गया है कि सरकार सभी धर्मों की चैरिटी के लिए एक कानून बनाए।

काशी और मथुरा के मंदिरों को मुक्त कराने के सवाल पर उन्होंने कहा, हिंदू समाज को हमारा वचन है कि संविधान के अंतर्गत सब तरह के कदम उठाकर हम इन दोनों मंदिरों को वापस प्राप्त करेंगे।

उद्घाटन

तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने रविवार को यहां कम्बरासंपेट्टई में 18.63 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से नामक्कु नामे थित्तम के तहत स्थापित एक पक्षी उद्यान का उद्घाटन किया। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि 4.02 एकड़ में स्थापित पक्षी उद्यान सैकड़ों पक्षियों का नया रंगीन घर है। नामक्कु नामे थित्तम का उद्देश्य सामुदायिक बुनियादी ढांचे के निर्माण और रखरखाव में सार्वजनिक भागीदारी को बढ़ाना है और उद्यान के लिए काम नवंबर 2023 में शुरू हुआ था। मंत्री के एन नेहरू (नगर प्रशासन), एस रेगुपति (कानून), अनबिल महेश पोय्यामोझी (स्कूल शिक्षा), निर्वाचित प्रतिनिधियों और वरिष्ठ अधिकारियों ने उद्घाटन कार्यक्रम में भाग लिया।

केजरीवाल से बड़ा 'अराजकतावादी' बनने की कोशिश कर रहे राहुल गांधी : ठाकुर का आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। हिमाचल प्रदेश की हमीरपुर लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद अनुराग ठाकुर ने रविवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर अरविंद केजरीवाल से भी बड़ा 'अराजकतावादी' बनने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए कहा कि जनता कभी 'अर्बन नक्सल' को स्वीकार नहीं करेगी।

ठाकुर ने लखनऊ में संवाददाताओं से बातचीत में कहा, ''मेरा विपक्ष से एक बड़ा सवाल है। आप कब तक अपनी हार के लिए अलग-अलग संस्थाओं और व्यवस्थाओं को जिम्मेदार ठहराते रहेंगे? यह सबसे दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश में 60 साल तक सत्ता में रहने वाली कांग्रेस पार्टी संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठा रही है और हंसी का पात्र बन रही है।'' उन्होंने कहा कि विपक्ष कभी भी इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) से छेड़छाड़ का कोई सुबूत नहीं दे सका और आरोप लगाने का कोई कारण नहीं है। उन्होंने कहा, ''जब आप बार-बार जनता को अपमानित करने की कोशिश करते हैं तो जनता बार-बार आपको संदेश देने की कोशिश करती है।''

ठाकुर ने कहा, ''और, राहुल जी (लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी) संदेश बहुत स्पष्ट है कि अराजकता की राजनीति के रास्ते पर चलकर आप केजरीवाल से भी बड़े अराजकतावादी बनना चाहते हैं। जनता कभी भी 'अर्बन नक्सल' को स्वीकार नहीं करेगी। अगर आप भारत के खिलाफ बोलेंगे, तो लोग आपको कभी स्वीकार नहीं करेंगे।

मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने इस्तीफा दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। मणिपुर में नेतृत्व परिवर्तन की मांग को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश इकाई में जारी खींचतान के बीच मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने रविवार को यहां राजभवन में राज्यपाल अजय कुमार भल्ला को अपना इस्तीफा सौंप दिया।

राज्यपाल ने सिंह के साथ-साथ उनकी मंत्रिपरिषद का इस्तीफा भी स्वीकार कर लिया तथा अनुरोध किया कि वैकल्पिक व्यवस्था होने तक वह पद पर बने रहें। यह घटनाक्रम उनके दिल्ली से लौटने के कुछ ही घंटों बाद हुआ है।

विपक्ष लंबे समय से उनके इस्तीफे की मांग कर रहा था। कांग्रेस ने मणिपुर के मुख्यमंत्री पद से सिंह के इस्तीफे को ''देर से उठाया गया कदम'' बताते हुए कहा कि राज्य के लोगों को अब ''लगातार विदेशी दौरों पर रहने वाले हमारे प्रधानमंत्री'' नरेन्द्र मोदी के आने का इंतजार हैं।

इस सप्ताह की शुरुआत में, एक नया विवाद तब खड़ा हो गया था जब उच्चतम न्यायालय ने जातीय हिंसा में सिंह की भूमिका का आरोप लगाने वाली लीक हुई ऑडियो क्लिप की प्रामाणिकता को लेकर एक सीलबंद फोरेंसिक रिपोर्ट मांगी थी।

सिंह ने राज्यपाल को लिखे अपने पत्र में कहा, ''अब तक मणिपुर के लोगों की सेवा करना मेरे लिए सम्मान की बात रही है। मैं प्रत्येक मणिपुरी के हितों की रक्षा के लिए समय पर की गई कार्रवाई, विकास कार्यों और विभिन्न परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए केंद्र सरकार का बहुत आभारी हूं।''

सेना को अपनी संवैधानिक सीमाओं में लौटना चाहिए : इमरान खान

इस्लामाबाद/भाषा। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने रविवार को सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर को एक खुला पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने सेना की गैरकानूनी कार्रवाइयों और राजनीति में इसकी भागीदारी की आलोचना की। इमरान खान ने सेना से ''अपनी संवैधानिक सीमाओं में लौटने'' का आग्रह किया। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक खान ने 'एक्स' पर साझा किए गए पत्र में जेल में दुर्व्यवहार का आरोप लगाया है, जिसमें उन्हें 20 दिन तक मौत की सजा वाली कोठरी में एकांत कारावास में रखा गया, जहां सूर्य की रोशनी या बिजली की सुविधा भी नहीं थी। खान एक वर्ष से अधिक समय से रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद हैं। यह पत्र उनके तीन फरवरी के पहले पत्र के बाद आया है, जिसमें उन्होंने सेना से राष्ट्रीय सुरक्षा और शासन के प्रति अपने दृष्टिकोण की समीक्षा करने का आग्रह किया था। पहले पत्र के बाद सुरक्षा सूत्रों ने कहा कि यह पत्र सेना को प्राप्त नहीं हुआ है तथा उन्होंने इस बारे में मीडिया में आई खबरों को खारिज किया था।

'एयरो इंडिया' कार्यक्रम में होगा नौसेना के मिग-29के, पोत रोधी हेलीकॉप्टर का प्रदर्शन

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय नौसेना 'एयरो इंडिया 2025' में चौथी पीढ़ी के लड़ाकू विमान मिग-29के, 'सीकिंग 42बी' और पोत रोधी हेलीकॉप्टर समेत नौसेना विमानन के विभिन्न प्रकार के विमानों एवं उपकरणों का प्रदर्शन करेगी। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

नौसेना इसके अलावा प्रदर्शनी क्षेत्र में हल्के लड़ाकू विमान (नौसेना) का भी प्रदर्शन करेगी। इस विमान को वैमानिकी विकास प्रतिष्ठान (एडीए) ने डिजाइन किया है और इसका निर्माण बेंगलुरु स्थित हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने किया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह एशिया के सबसे बड़े एयर शो 'एयरो इंडिया' के 15वें संस्करण का उद्घाटन करेंगे। वह बेंगलुरु में कार्यक्रम स्थल पर 'इंडिया पैवेलियन' का भी उद्घाटन करेंगे।

सिंह ने 'एक्स' पर एक पोस्ट के जरिए जानकारी दी कि उन्होंने 'एयरो इंडिया' के सोमवार को शुरू होने से पहले रविवार को अपने फिजी समकक्ष पियो टिकोदुआदुआ से मुलाकात की तथा रक्षा सहयोग को और प्रगाढ़ करने के तरीकों पर चर्चा की। सिंह ने बताया कि वे दोनों रक्षा सहयोग पर भारत-फिजी संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) को संस्थागत बनाने पर सहमत हुए।

बेंगलूरु पहुंचने के बाद टिकोदुआदुआ ने 'एक्स' पर लिखा, ''फिजी और भारत के बीच सहयोग का पुराना इतिहास है तथा हम अपने संबंधों को और आगे बढ़ाने की उम्मीद करते हैं।'' सिंह ने सोशल मीडिया मंच पर एक अलग 'पोस्ट' में बताया कि उन्होंने दक्षिण सूडान के रक्षा मंत्री लेफ्टिनेंट जनरल चोल थोन जे बालोक से भी मुलाकात की और उन्होंने दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग की समीक्षा की।

रक्षा मंत्रालय ने कहा, ''एयरो इंडिया 2025 का उपयोग आम लोगों को विभिन्न प्रकार के नौसैन्य विमानों से अवगत कराने और उन्हें प्रदर्शित करने के अवसर के रूप में किया जा रहा है।'' मंत्रालय ने कहा, ''इसमें चौथी पीढ़ी का लड़ाकू विमान मिग-29के, कामोव 31 हवाई पूर्व चेतावनी हेलीकॉप्टर, सीकिंग 42बी और एमएच 60 आर पनडुब्बी रोधी और पोत रोधी हेलीकॉप्टर शामिल होंगे।''

यौन उत्पीड़न के खिलाफ लड़ने वाली महिला के इलाज का खर्च वहन करेगी तमिलनाडु सरकार : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

स्टालिन ने महिला को तीन लाख रुपये की वित्तीय सहायता देने की घोषणा की और छह फरवरी को हुई इस घटना के कारण महिला का गर्भपात होने पर दुख जताया।

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने रविवार को कहा कि राज्य सरकार उस महिला के अस्पताल का पूरा बिल चुकाएगी जिसे यौन उत्पीड़न का विरोध करने पर वेल्लोर जिले में चलती ट्रेन से बाहर धकेल दिया गया था।

स्टालिन ने महिला को तीन लाख रुपये की वित्तीय सहायता देने की घोषणा की और छह फरवरी को हुई इस घटना के कारण महिला का गर्भपात होने पर दुख जताया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोयंबटूर-तिरुपति इंटरसिटी एक्सप्रेस से बाहर धकेले जाने के कारण महिला गंभीर रूप से घायल हो गई और उसे वेल्लोर के सरकारी अस्पताल में प्रारंभिक उपचार के बाद रानीपेट के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि राज्य सरकार महिला के इलाज का पूरा खर्च वहन करेगी और उन्होंने प्राधिकारियों को पीड़िता की विशेष देखभाल करने का निर्देश दिया है।

स्टालिन ने कहा कि उन्होंने अधिकारियों को मुख्यमंत्री जन राहत कोष से महिला के लिए तीन लाख रुपये जारी करने का आदेश दिया है।

वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों ने आठ फरवरी को अस्पताल में महिला से मुलाकात कर उसे 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि दी थी तथा हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया था।

घटना के समय महिला चार महीने की गर्भवती थी। आरोपी की पहचान हेमराज के रूप में हुई है जो वेल्लोर जिले के एक गांव का रहने वाला है। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके खिलाफ पहले से ही कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं।

उत्साहवर्धन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के बसवेश्वरनगर बॉयज द्वारा क्षेत्र के अंबेडकर खेल मैदान में टेनिस बाल क्रिकेट स्पर्धा टाइगर कप 2025 का आयोजन किया जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित महेन्द्र मुणोत ने खिलाड़ियों से मुलाकात कर उत्साहवर्धन किया।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा का मत प्रतिशत 13 अंक बढ़ा और 'आप' का 10 अंक घटा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली में पिछले 10 वर्षों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का मत प्रतिशत लगभग 13 अंक बढ़ा है जबकि इसी अवधि के दौरान 'आप' का मत प्रतिशत लगभग 10 अंक कम हुआ है। दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा और आम आदमी पार्टी (आप) के मतों में मात्र दो प्रतिशत का अंतर रहा।

भाजपा ने राष्ट्रीय राजधानी में 70 में से 48 सीट जीतकर सत्ता हासिल कर ली है तथा 'आप' को 22 सीट पर जीत मिली। भाजपा ने 26 साल से अधिक समय बाद राष्ट्रीय राजधानी की सत्ता में वापसी की है। दिल्ली में कांग्रेस लगातार तीसरी बार एक भी सीट नहीं जीत सकी। 'आप' को 43.57 प्रतिशत मत मिले, जो 2020 के चुनाव में 53.57 प्रतिशत से कम है। वर्ष 2015 के विधानसभा चुनाव में उसे 54.5 प्रतिशत मत मिले थे। ऐसा शायद पहली बार है कि कोई पार्टी 40 प्रतिशत मत प्राप्त करने के बाद भी चुनाव हार गई। वर्ष 2020 और 2015 में 'आप' ने क्रमशः 67 और 62 सीट हासिल करके भारी जनादेश हासिल किया था। भाजपा ने 45.56 प्रतिशत मत हासिल किए और 48 सीट जीतीं। भाजपा का मत प्रतिशत 2020 के चुनाव में मिले 38.51 प्रतिशत और 2015 के चुनाव में हासिल 32.3 प्रतिशत के मुकाबले बढ़ा है। वर्ष 1998 से 2013 तक 15 साल तक दिल्ली में सत्ता में रही कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिली और उसे 6.34% मत मिले। देश की सबसे पुरानी पार्टी के लिए एकमात्र राहत की बात यह रही कि पिछली बार की तुलना में इस बार उसके मत प्रतिशत में 2.1 प्रतिशत का सुधार हुआ।

अपने कर योगदान के अनुपात में केंद्र से धन मांगना राज्यों की 'छोटी सोच' : गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि कुछ राज्यों द्वारा केंद्रीय कोष में उनके कर योगदान के अनुपात में केंद्रीय धन की मांग करना 'छोटी सोच' और 'दुर्भाग्यपूर्ण' है।

गोयल ने शनिवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मानना है कि अगर देश को समृद्ध बनाना है, तो पूर्वोत्तर के आठ राज्यों और बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और झारखंड जैसे पूर्वी भारतीय राज्यों का विकास होना चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछले 11 साल में मोदी सरकार का महाभारत के अर्जुन की तरह से ध्यान पूर्वोत्तर और पूर्वी राज्यों पर रहा है।

गोयल ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ राज्य और कुछ नेता...मैं इसका राजनीतिकरण नहीं करना चाहता, लेकिन महाराष्ट्र के कुछ नेता कहते थे...पहले की सरकार के नेता जो ढाई साल तक सत्ता में रहे, वे मुंबई और महाराष्ट्र द्वारा चुकाए गए कर का हिसाब लगाते थे और मांग करते थे कि उन्हें उतनी राशि (केंद्रीय निधि) वापस मिलनी चाहिए।

गोयल का इशारा पूर्ववर्ती उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास अघाड़ी सरकार की ओर था। उन्होंने कहा, कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना जैसे कुछ राज्य हैं जो कहते हैं कि उन्हें उनके द्वारा चुकाए गए करों की राशि वापस मिलनी चाहिए। इससे बड़ी कोई 'छोटी सोच' नहीं हो सकती। इससे ज्यादा 'दुर्भाग्यपूर्ण' कुछ नहीं हो सकता। उन्होंने कहा, लेकिन अब चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि महाराष्ट्र में मौजूदा भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार पूर्वोत्तर भारत के प्रति बहुत संवेदनशील है। गोयल ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार पिछले 11 साल से पूर्वोत्तर भारत को प्राथमिकता देते हुए 'एक्ट ईस्ट' और 'लुक ईस्ट' नीति पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के तहत पूर्वोत्तर राज्यों की राजधानियों को रेलवे से जोड़ा जा रहा है और राजमार्गों का एक नेटवर्क बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी 65 से अधिक बार पूर्वोत्तर का दौरा कर चुके हैं। उन्होंने लोगों से इस क्षेत्र की सुंदरता और संस्कृति को देखने के लिए कम से कम एक बार यहां आने का आग्रह किया।

कांग्रेस दिल्ली में आप के साथ गठबंधन के लिए तैयार थी, केजरीवाल ने इनकार कर दिया : कर्रा

श्रीनगर/भाषा। कांग्रेस की जम्मू-कश्मीर इकाई के अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा ने रविवार को कहा कि कांग्रेस दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी (आप) के साथ चुनाव पूर्व गठबंधन के लिए तैयार थी लेकिन इसके संयोजक अरविंद केजरीवाल ने इनकार कर दिया। कर्रा ने यहां कहा, कांग्रेस गठबंधन के लिए हमेशा से तैयार थी लेकिन वह अरविंद केजरीवाल हैं जिन्होंने गठबंधन का हिस्सा बनने से इनकार कर दिया। वह मिलकर चुनाव लड़ने के लिए तैयार नहीं थे।

कांग्रेस नेता ने कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजे चिंताजनक हैं लेकिन यह स्पष्ट है कि कोई भी विपक्षी गठबंधन कांग्रेस के बिना अधूरा होगा।

उन्होंने कहा, इस पूरी प्रक्रिया से एक बात जो उभरकर सामने आई है, वह यह है कि जहां तक 'इंडिया' गठबंधन का सवाल है, मुझे लगता है कि यह सभी घटकों के लिए एक संदेश है कि कांग्रेस के बिना आप कुछ नहीं कर सकते।

'लाडकी बहिन' के लाभार्थियों की संख्या पांच लाख घटी, अपात्रों से पैसे वापस नहीं लिए जाएंगे : मंत्री तटकरे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र सरकार की प्रमुख योजना 'मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना' की लाभार्थियों की संख्या घटकर पिछले महीने 2.41 करोड़ रह गई, क्योंकि विभिन्न कारणों से पांच लाख महिलाएं अपात्र पाई गई हैं। दिसंबर 2024 में लाभार्थियों की संख्या 2.46 करोड़ थी। महिला एवं बाल विकास विभाग के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने कहा है कि पिछले वर्ष जुलाई से दिसंबर के बीच इन महिलाओं के खातों में कुल मिलाकर 450 करोड़ रुपए अंतरित किए गए, लेकिन यह राशि वापस नहीं ली गई है और राज्य सरकार का ऐसा करने का कोई इरादा भी नहीं है।

इस योजना के तहत 21-65 आयु वर्ग की उन महिलाओं को 1500 रुपए प्रतिमाह सहायता राशि दी जाती है, जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय 2.5 लाख रुपए से कम है। पात्रता की अन्य शर्तों में चार पहिया वाहन न होना और परिवार का कोई भी सदस्य सरकारी सेवा में न होना शामिल है। तटकरे ने कहा, जिन महिलाओं को अपात्र घोषित किया गया है, उन्हें आगे कोई लाभ नहीं मिलेगा, लेकिन पहले से जमा की गई राशि वापस लेना उचित नहीं होगा। अधिकारी ने बताया कि जिन पांच लाख महिलाओं को अपात्र माना गया, उनमें से 1.5 लाख महिलाएं 65 वर्ष से अधिक उम्र की थीं, जबकि 1.6 लाख महिलाओं के पास या तो चार पहिया वाहन था या वे 'नमो शेतकरी योजना' जैसी अन्य सरकारी योजनाओं की लाभार्थी थीं। अधिकारी ने बताया कि करीब 2.3 लाख महिलाएं संजय गांधी निराधार योजना के तहत लाभ प्राप्त कर रही थीं, जिससे वे 'लाडकी बहिन योजना' के लिए अपात्र हो गईं।

आतिशी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी (आप) की करारी हार के एक दिन बाद रविवार को उपराज्यपाल वी के सक्सेना को अपना इस्तीफा सौंप दिया। अधिकारियों ने बताया कि आतिशी ने राज निवास में सक्सेना को अपना इस्तीफा सौंपा। आम आदमी पार्टी को भले ही विधानसभा चुनाव में करारी हार का सामना करना पड़ा लेकिन आतिशी अपनी कालकाजी सीट बचाने में सफल रहीं। उपराज्यपाल कार्यालय ने कहा कि सक्सेना ने निवर्तमान मुख्यमंत्री को नई सरकार के गठन तक पद पर बने रहने को कहा है।

भाजपा नेताओं के अनुसार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अगले सप्ताह विदेश दौरे से लौटने के बाद भाजपा सरकार बनाने का दावा पेश कर सकती है। राज निवास ने अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर पोस्ट किया, माननीय उपराज्यपाल वी के सक्सेना को आज मुख्यमंत्री आतिशी का इस्तीफा मिला। उन्होंने नई सरकार के गठन तक उन्हें (आतिशी) अपने पद पर बने रहने को कहा है। उपराज्यपाल ने शनिवार आठ फरवरी से दिल्ली विधानसभा भंग कर दी थी।

विधानसभा सचिवालय की ओर से जारी एक अधिसूचना में कहा गया, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली शासन अधिनियम, 1991 की धारा 6 की उपधारा (2)(बी) द्वारा मुझे प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए मैं, विनय कुमार सक्सेना, दिल्ली का उपराज्यपाल आठ फरवरी 2025 से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की सातवीं विधानसभा को भंग करता हूं। भारतीय जनता पार्टी दिल्ली में 48 सीट जीतकर 27 साल बाद सत्ता में लौटी है। वहीं आम आदमी पार्टी को 22 सीट पर जीत मिली, कांग्रेस इस चुनाव में एक भी सीट नहीं जीत पाई। केजरीवाल ने पिछले साल सितंबर में भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था, जिसके बाद आतिशी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी।

यमुना नदी तट का पुनरुद्धार सर्वोच्च प्राथमिकता : प्रवेश वर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली में मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता प्रवेश वर्मा ने रविवार को कहा कि यमुना नदी तट का विकास उनकी पार्टी की प्राथमिकता होगी।

प्रवेश वर्मा ने यहां अपने पैतृक गांव मुंडका में अपने पिता एवं पूर्व मुख्यमंत्री साहिब सिंह वर्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद संवाददाताओं से कहा कि पिछली सरकार ने दिल्ली के ग्रामीण इलाकों की उपेक्षा की है और सड़कों की हालत खराब है। वर्मा ने कहा, यमुना नदी तट का पुनरुद्धार हमारी प्राथमिकताओं में होगा। वर्मा ने कहा कि वह अपने पिता के अधूरे कार्यों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वर्मा ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिले बहुमत के लिए लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा, दिल्ली की जनता के आशीर्वाद और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से हम एक ऐसी सुंदर दिल्ली बनाने की दिशा में काम करेंगे जिसमें समाज के सभी वर्गों की भागीदारी हो। वर्मा की राजनीतिक लोकप्रियता नई दिल्ली सीट से आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर 4,089 मतों की शानदार जीत के साथ काफी बढ़ गई है। उन्हें दिल्ली में भाजपा की आगामी सरकार में मुख्यमंत्री पद का प्रबल दावेदार माना जा रहा है।

लोगों ने प्रधानमंत्री मोदी की गारंटियों का समर्थन किया : नायब सैनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि दिल्ली के लोगों ने विधानसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी पर मोहर लगाई है और अब मोदी जी की नीतियां दिल्ली में लागू होंगी।

सैनी ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अब दिल्ली के लोगों को आयुष्मान योजना जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिलेगा और पीने का स्वच्छ पानी उपलब्ध होगा। सैनी ने कहा कि अब दिल्ली भी मजबूती से विकसित भारत के साथ कदमताल करेगी और चुनाव में भाजपा की इस बड़ी जीत के लिए वह दिल्ली के लोगों को शुभकामनाएं देते हैं। उन्होंने पार्टी की जीत का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दिया। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि केजरीवाल ने लोगों से झूठे वायदे कर विकास के सब्जबाग दिखाएं लेकिन उन्होंने जनता के लिए कोई काम नहीं किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यमुना नदी को 2025 तक स्वच्छ करने के बार-बार सपने दिखाने वाले केजरीवाल जब इसे पूरा नहीं कर पाएं तो हरियाणा पर नदी में जहर मिलाने तक के झूठे आरोप लगाने लगे। दिल्ली की जनता ने उन्हें सत्ता से बाहर कर उनके झूठे वायदों का जवाब दिया है। उन्होंने दावा किया कि अब पंजाब की जनता भी 'आप-दा' पार्टी को इसी तरह सत्ता से बाहर करेगी।

नवी मुंबई में अवैध धार्मिक ढांचों के खिलाफ निवासियों ने किया प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ठाणे/भाषा। महाराष्ट्र के नवी मुंबई के सीबीडी बेलापुर में लोगों ने भूस्खलन संभावित पहाड़ी की ढलानों पर बनाए गए धार्मिक ढांचों के जरिए किए गए अतिक्रमण को हटाने में अधिकारियों पर निष्क्रियता का रविवार को आरोप लगाया और सैकड़ों लोगों ने इसके खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व करने वाले लोगों ने दावा किया कि पिछले कुछ वर्षों में बेलापुर पहाड़ी ढलानों पर 30 धार्मिक ढांचे बनाए गए हैं। उन्होंने दावा किया कि महाराष्ट्र सरकार की एजेंसी सिडको ने इन ढांचों को अवैध करार दिया था और ध्वस्तीकरण नोटिस जारी किया था, लेकिन इसके बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई। प्रदर्शनकारियों ने तख्तियां और बैनर लेकर दावा किया कि ये ढांचे पर्यावरण और हरित क्षेत्र के लिए खतरा हैं।

यमुना को विषाक्त करने वाला बयान केजरीवाल को महंगा पड़ा: खट्टर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। केंद्रीय मंत्री एवं हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने रविवार को कहा कि अगर आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने यमुना नदी में जहर मिलाने का आरोप नहीं लगाया होता तो उनकी पार्टी दिल्ली विधानसभा चुनाव में पांच-सात सीट अधिक जीत सकती थी।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 70 सदस्यीय विधानसभा में 48 सीट जीतकर दिल्ली में आम आदमी पार्टी का शासन समाप्त कर दिया। चुनाव हारने वालों में प्रमुख नाम नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र से केजरीवाल का था। इस मुद्दे पर यहां संवाददाताओं के एक सवाल के जवाब में खट्टर ने कहा कि कई राज्यों के बीच जल विवाद है, लेकिन केजरीवाल की आदत है कि अगर वह अपनी प्रतिबद्धता पूरी नहीं कर पाते तो दूसरों पर दोष मढ़ देते हैं। केंद्रीय आवास, शहरी मामलों और बिजली विभाग के मंत्री ने कहा कि केजरीवाल ने एक बार बड़ा वादा किया था कि अगर वे यमुना को साफ करने में विफल रहे तो वे 2025 का विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। खट्टर ने कहा, यह उनकी तरफ से एक चुनौतीपूर्ण बयान था। जब केजरीवाल यमुना को साफ करने में विफल रहे, तो उन्होंने कहा कि हरियाणा की तरफ से इसका पानी जहरीला किया जा रहा है। यह बयान उन्हें बहुत महंगा पड़ा है। अगर उन्होंने ऐसा बयान नहीं दिया होता तो उनकी पार्टी 5-7 सीट अधिक जीत जाती।

संपत्ति विवाद को लेकर वेलजन ग्रुप के सीएमडी की पोते ने चाकू से कई बार वार कर हत्या की

मां ने बीच-बचाव करने की कोशिश की तो उसको भी मार दिया चाकू, संपत्ति के बंटवारे को लेकर हो गई थी बहस शुरू

बचपन से ही दादा का व्यवहार नहीं था ठीक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। हैदराबाद में 86 वर्षीय एक उद्योगपति की उनके घर पर पोते ने संपत्ति विवाद के चलते कथित तौर पर हत्या कर दी। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि यह घटना छह फरवरी की रात को हुई, जब आरोपी के. कीर्ति तेजा (28) ने अपने दादा वी. सी. जनार्दन राव पर चाकू से हमला किया, जिससे उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि राव पर चाकू से कई बार वार किए गए।

राव वेलजन समूह के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) थे।

पंजागुट्टा पुलिस ने बताया कि जब आरोपी की मां ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, तो उसने उन्हें भी चाकू मार दिया।

आरोपी की मां घायल हो गईं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। आरोपी को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शहर के दूसरे इलाके में रहने वाले तेजा और उसकी मां बृहस्पतिवार को सोमाजीगुडा में राव के घर गए थे। अधिकारियों ने बताया कि जब तेजा की मां कॉफी लाने गईं, तो तेजा और राव के बीच संपत्ति के बंटवारे को लेकर बहस शुरू हो गई।

अधिकारियों ने प्रारंभिक जांच का हवाला देते हुए बताया कि तेजा ने चाकू निकाला और अपने दादा पर हमला कर दिया। तेजा ने आरोप लगाया कि बचपन से ही उसके प्रति दादा का व्यवहार ठीक नहीं था और वह संपत्ति बांटने से 'इनकार' कर रहे थे।

जब पुलिस अधिकारियों से उन खबरों के बारे में पूछा गया कि राव पर कथित तौर पर 70 से अधिक बार चाकू से वार किया गया, तो उन्होंने कहा कि चाकू के कई घाव थे और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर सटीक संख्या की पुष्टि की जाएगी। अधिकारियों ने कहा कि आरोपी हाल में ही स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूरी करने के बाद अमेरिका से हैदराबाद लौटा था।

अधिकारियों ने बताया कि शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। मामले में जांच की जा रही है।

वेलजन की वेबसाइट के अनुसार, 1965 में स्थापित कंपनी को जहाज निर्माण, ऊर्जा, मोबाइल और औद्योगिक क्षेत्रों सहित विभिन्न क्षेत्रों के लिए पूर्ण समाधान प्रदान करने में विशेषज्ञता हासिल है।

तेलंगाना में पिता की पिटाई से बेटे की मौत

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के यादाद्री भुवनगिरी जिले के चौटुप्पल कस्बे में पिता के कथित तौर पर पिटाई करने से एक 14 वर्षीय लड़के की मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि पीड़ित किशोर स्कूल के एक कार्यक्रम में शामिल होकर देर से घर लौटा तो उसके पिता ने देरी का कारण पूछा और गुस्से में आकर किशोर की छाती पर जोर से प्रहार कर दिया। किशोर नौवीं कक्षा में पढ़ता था। चौटुप्पल पुलिस के मुताबिक, लड़के को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। घटना के समय आरोपी नशे की हालत में था। लड़के की मां की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है।

मध्यप्रदेश में बांध परियोजना के कारण जलमग्न हो जाएगा महत्वपूर्ण बाघ गलियारा: एनटीसीए

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) ने चेतावनी दी है कि मध्य प्रदेश में मोरंड-गंजाल सिंचाई परियोजना के कारण बाघों द्वारा अभयारण्यों के बीच आवागमन के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले वन क्षेत्र जलमग्न हो जाएंगे। एनटीसीए ने वैकल्पिक स्थलों की खोज करने की अनुशंसा की है। पर्यावरण मंत्रालय की वन सलाहकार समिति (एफएसी) ने 27 जनवरी को एक बैठक में परियोजना के लिए 2,250.05 हेक्टेयर वन भूमि के दूसरे कार्यों में इस्तेमाल से संबंधित प्रस्ताव पर चर्चा की। इस परियोजना में राज्य के होशंगाबाद, बैतूल, हरदा और खंडवा जिलों में सिंचाई में सुधार के लिए मोरंड और गंजाल नदियों पर दो बांध बनाना शामिल है। बैठक के विवरण के अनुसार, एनटीसीए ने चेतावनी दी है कि इस परियोजना से सतपुड़ा और मेलघाट बाघ अभयारण्यों के बीच एक महत्वपूर्ण बाघ गलियारा खत्म हो जाएगा और अन्य वन्यजीवों व जैव विविधता के लिए खतरा पैदा होगा। राष्ट्रीय बाघ अनुमान 2022 पर आधारित एनटीसीए के विश्लेषण से पता चलता है कि परियोजना स्थल में बाघों का एक महत्वपूर्ण वास शामिल है। इसमें कहा गया है कि बांध के कारण अभयारण्यों के बीच बाघों की आवाजाही के लिए आवश्यक वन क्षेत्र जलमग्न हो जाएंगे, जिससे आनुवांशिक परिवर्तन और जनसंख्या स्थिरता प्रभावित होगी।

पूर्व मुख्यमंत्री निशंक की पुत्री से फिल्म निर्माताओं ने चार करोड़ रुपए ठगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व केंद्रीय मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक की पुत्री आरुषि निशंक से मुंबई के दो फिल्म निर्माताओं ने एक फिल्म के निर्माण में निवेश करने तथा उसमें उन्हें एक प्रमुख भूमिका देने के नाम पर चार करोड़ रुपए ठग लिए। कोतवाली पुलिस थाने में दर्ज कराई अपनी शिकायत में आरुषि ने कहा कि वरुण प्रमोद कुमार बागला और मानसी वरुण बागला ने उन्हें अपनी एक हिंदी फिल्म में एक प्रमुख भूमिका देने की पेशकश की और फिल्म से होने वाली आय से मोटा हिस्सा देने का वायदा कर उन्हें फिल्म के निर्माण में पांच करोड़ रु का निवेश करने का लालच दिया।

शिकायत में कहा गया है कि उन पर भरोसा करके उन्होंने अपनी फर्म 'हिमश्री फिल्म्स' के जरिए आरोपियों को दो करोड़ रुपए दे दिए। बाद में उन्होंने थोड़ाथोड़ा करके फिल्म निर्माताओं को और धन दिया और इस प्रकार उन्होंने उन्हें कुल चार करोड़ रुपए दे दिए। उन्होंने कहा कि हांलांकि बाद में आरोपियों ने उन्हें सूचित किया कि फिल्म में उनकी जगह किसी और अभिनेत्री को ले लिया गया है और भारत में इसकी शूटिंग पूरी हो चुकी है।

ई-विटारा को उतारने से पहले मारुति चार्जिंग बुनियादी ढांचे को मजबूत करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश की प्रमुख वाहन कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) का लक्ष्य ई-विटारा को बाजार में उतारने से पहले देश में चार्जिंग बुनियादी ढांचे को मजबूत करना है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। कंपनी अपने इस मॉडल को देश के परिवारों का प्रमुख वाहन बनाना चाहती है।

वाहन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी ने बिक्री के बाद सहायता बढ़ाने, लीजिंग मॉडल लाने तथा ग्राहकों को मॉडल खरीदने के लिए प्रोत्साहित करने को 'वित्तपोषण' के अधिक विकल्प उपलब्ध कराने की भी योजना बनाई है। मारुति सुजुकी इंडिया के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (विपणन एवं बिक्री) पार्थो बनर्जी ने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा, ग्राहकों के लिए सबसे बड़ी चिंता चार्जिंग के मामले में सार्वजनिक बुनियादी ढांचे की कमी है। इसलिए हम शीर्ष 100 शहरों में 10 किलोमीटर की दूरी पर फास्ट चार्जर लगाने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने योजना के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि देश में जितने भी इलेक्ट्रिक वाहन बिक रहे हैं, उनका अधिकांश हिस्सा यानी 97 प्रतिशत हिस्सा इन 100 शहरों से आ रहा है। बनर्जी ने कहा, हमारा मानना है कि जो ग्राहक कार खरीदेगा वह शहर से बाहर भी जाएगा, इसलिए हम अपनी ई-विटारा को प्राथमिक कार बनाना चाहते हैं, न कि द्वितीयक कार और इसे प्राथमिक कार बनाने के लिए, बिक्री के बाद अच्छी सर्विस प्रदान करना बहुत महत्वपूर्ण है। एमएसआई ने भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो में इलेक्ट्रिक एसयूवी का अनावरण किया था। ई-विटारा को पहले कुछ प्रमुख विदेशी बाजारों में निर्यात किया जाएगा और उसके बाद इसे भारत बेचा जाएगा।

स्टालिन ने निर्वासितों के साथ अमेरिका के व्यवहार को लेकर केंद्र की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने अमेरिका द्वारा निर्वासित भारतीय नागरिकों को हथकड़ी और बेड़ियां पहनाने को लेकर केंद्र की भाजपा नीत सरकार की कड़ी आलोचना की है। स्टालिन ने साथ ही प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ में भगदड़ की घटना में लोगों की मौत को लेकर उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार पर निशाना साधा और समुचित सुरक्षा व्यवस्था नहीं किये जाने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने शनिवार को यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्र सरकार पर तमिलनाडु को उसके हिस्से का धन जारी नहीं करने और राज्य में प्राकृतिक आपदाओं के दौरान भी मदद का हाथ नहीं बढ़ाने का आरोप लगाया।

स्टालिन ने तमिलनाडु को ''धोखा'' देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की निंदा की। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को खुद को सुधारना चाहिए, वरना जनता उसे सुधार देगी और यदि केंद्र सरकार ने अपना रवैया नहीं बदला तो जनता की अदालत में उसका सम्मान कम होता जायेगा। महाकुंभ में भगदड़ में हुई मौतों को लेकर द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) प्रमुख ने आरोप लगाया कि उचित सुरक्षा प्रबंध नहीं किए जाने के कारण 48 लोगों की मौत हो गई। उन्होंने कहा किवहां की भाजपा सरकार का हालांकि कहना है कि भगदड़ की घटना में केवल 30 लोगों की मौत हुई है।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''मीडिया का कहना है कि मृतकों की संख्या 48 है। उस राज्य के नेताओं का कहना है कि यह संख्या और भी अधिक हो सकती है। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने आरोप लगाया है कि शवों को हटाने के लिए मशीन का इस्तेमाल किया गया। संसद में इस मामले पर चर्चा नहीं होने दी गई। आपने महाकुंभ मेले में श्रद्धालुओं को आमंत्रित किया! क्या भाजपा सरकार का यह कर्तव्य नहीं है कि वह श्रद्धालुओं को सुरक्षा प्रदान करती?''

अमेरिका द्वारा कुछ दिन पहले निर्वासित किए गए भारतीयों को हथकड़ी लगाने और पैरों में बेड़ियां डालने की घटना को क्रूर बताते हुए स्टालिन ने कहा कि उनकी पीड़ा देखकर आंसू निकल आए। उन्होंने कहा कि हालांकि विदेश मंत्री एस जयशंकर, जिन्हें इस मुद्दे पर अमेरिका से बातचीत करनी चाहिए, एक तरह से अमेरिकी कार्रवाई को उचित ठहराने वाला स्पष्टीकरण दे रहे थे। उन्होंने पूछा, क्या भारतीयों की सुरक्षा का यही मानक है?

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने दावा किया है कि उन्होंने विश्व के अपने दौरे के माध्यम से देशों के बीच भारत का सम्मान बढ़ाया है। स्टालिन ने आश्चर्य व्यक्त किया कि क्या मोदी अमेरिका द्वारा 104 भारतीयों के साथ किए गए व्यवहार को अपमान नहीं मानते हैं। उन्होंने पूछा, क्या अमेरिकी राष्ट्रपति आपके मित्र नहीं हैं? प्रधानमंत्री मोदी को इस मुद्दे पर ट्रंप से बात करनी चाहिए थी।'' उन्होंने कहा, आपकी भारतीय राष्ट्रीय राजनीति में चुप्पी का क्या कारण है? क्या यह स्पष्ट नहीं है कि भाजपा के लिए केंद्र में सत्ता बरकरार रखने के अलावा कोई और उद्देश्य नहीं रह गया है?

स्टालिन ने केंद्र पर राजनीतिक बदले, 'ब्लैकमेल, नियंत्रण' का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने रविवार को आरोप लगाया कि तमिलनाडु के राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 और तीन भाषा नीति को खारिज करने पर केंद्र ने खुले तौर पर ब्लैकमेल करते हुए राज्य के हिस्से के 2,152 करोड़ रुपये छीन कर यह रकम अन्य राज्यों को दे दी।

स्टालिन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में आरोप लगाया: तमिलनाडु के खिलाफ केंद्र की भाजपा सरकार का अन्यायपूर्ण रवैया बेबुनियाद है! एनईपी2020 और तीन-भाषा नीति को लागू करने से इनकार करने पर, उन्होंने खुलेआम ब्लैकमेल किया, तमिलनाडु के छात्रों के लिए निर्धारित 2,152 करोड़ रुपये छीन लिए और अब उन्होंने इसे दूसरे राज्यों को सौंप दिया है। यह हमारे छात्रों को उनके अधिकारों के लिए खड़े होने पर दंडित करने के अलावा और कुछ नहीं है।

इसके अलावा, ''उन्होंने आरोप लगाया, भारत के इतिहास में कोई भी सरकार किसी राज्य के खिलाफ राजनीतिक बदला लेने के लिए इतनी निर्दयी नहीं रही है। भाजपा ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वह तमिलनाडु और उसके लोगों से नफरत करती है।''

पलानीस्वामी ने तमिलनाडु में महिलाओं के खिलाफ अपराधों को लेकर मुख्यमंत्री स्टालिन पर निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अन्नाद्रमुक महासचिव एडप्पादी के. पलानीस्वामी ने महिलाओं के खिलाफ अपराधों को रोकने में ''विफल'' रहने के लिए रविवार को मुख्यमंत्री एम के स्टालिन की निंदा की और मांग की कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार आपराधिक तत्वों पर सख्ती से लगाम लगाए। महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध की घटनाओं को सूचीबद्ध करते हुए पलानीस्वामी ने आरोप लगाया कि चाहे वे बच्चे हों या वयस्क, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन के नेतृत्व में सभी असुरक्षित हैं।

उन्होंने कृष्णागिरि में तीन सरकारी स्कूल शिक्षकों द्वारा 13 वर्षीय एक छात्रा का कथित रूप से यौन शोषण, कुड्डालोर में 9वीं कक्षा की छात्रा की संदिग्ध अवस्था में मौत, यौन हमले का विरोध करने पर वेल्लोर में एक गर्भवती महिला को चलती ट्रेन से धक्का दे दिया जाना, अन्ना विश्वविद्यालय में यौन उत्पीड़न का मामला और यहां ईस्ट कोस्ट रोड पर कार का पीछा करने की घटना समेत कई घटनाओं को गिनाया। महिलाओं के खिलाफ अपराधों को रोकने में 'असमर्थ' रहने के लिए मुख्यमंत्री की निंदा करते हुए पलानीस्वामी ने कहा कि कम से कम अब से राज्य सरकार को कानून-व्यवस्था को प्रभावी ढंग से बनाये रखने के लिए आपराधिक तत्वों पर सख्ती से लगाम लगानी चाहिए।

स्टालिन द्वारा पुराने समय के ''सम्राटों'' की तरह पूरे राज्य में रोड शो आयोजित करने को लेकर कटाक्ष करते हुए विपक्ष के नेता ने आरोप लगाया कि तिरुनेलवेली जिले के अपने दौरे के दौरान मुख्यमंत्री के पास मंजोली एस्टेट के श्रमिकों की शिकायतों को सुनने का साहस नहीं था। उन्होंने दावा किया कि सभी वर्गों के लोगों ने 2026 में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव में द्रमुक शासन को उखाड़ फेंकने का संकल्प लिया है। पलानीस्वामी 2017 से 2021 तक मुख्यमंत्री रहे थे।

सैमसंग के तमिलनाडु संयंत्र में कर्मचारियों के एक वर्ग और कंपनी के बीच गतिरोध जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी सैमसंग के यहां पास में स्थित कारखाने में कर्मचारियों के एक वर्ग और प्रबंधन के बीच ताजा गतिरोध जारी है। हड़ताल की अगुवाई कर रही सीआईटीयू (सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन्स) के पदाधिकारियों ने कहा है कि सीआईटीयू विरोध को और तेज करने की योजना बना रहा है। सैमसंग इंडिया वर्कर्स यूनियन के कर्मचारी पांच फरवरी से अपने तीन सहकर्मियों की बहाली की मांग को लेकर हड़ताल पर हैं, जिन्हें प्रबंधन ने निलंबित कर दिया था।

सैमसंग इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि सैमसंग कर्मचारियों द्वारा ऐसी किसी भी गैरकानूनी कार्रवाई का समर्थन नहीं करती है, जिससे कार्यस्थल पर औद्योगिक शांति भंग होती है। श्रीपेरंबदूर जिले में कारखाने से लगभग दो किलोमीटर दूर सुंगुवरचत्रम में शनिवार शाम को सीआईटीयू के पदाधिकारियों ने अपने सचिव ई मुथु कुमार और समर्थकों के नेतृत्व में प्रदर्शन किया। यूनियन ने मांग की कि निलंबित कर्मचारियों, जो सीआईटीयू के पदाधिकारी हैं, को बहाल किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनका निलंबन तत्काल वापस नहीं लिया गया तो वे विरोध प्रदर्शन तेज करेंगे। आंदोलन का नेतृत्व करते हुए कुमार ने कहा कि सैमसंग इंडिया के कर्मचारी पांच फरवरी से कारखाने के अंदर धरना दे रहे हैं, जबकि सीआईटीयू अपने समर्थकों के साथ हड़ताली कर्मचारियों के प्रति अपनी एकजुटता व्यक्त करने के लिए प्रदर्शन कर रही है।

पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में, पार्टी के झंडे लिए सीआईटीयू के लगभग 50 समर्थकों ने विरोध प्रदर्शन के दौरान मुद्दे को हल करने के लिए कोई कदम नहीं उठाने का आरोप लगाते हुए सैमसंग इंडिया और जिला प्रशासन के खिलाफ नारे लगाए। कुमार ने कहा कि कर्मचारियों की हड़ताल जारी रहेगी तथा उन्होंने तमिलनाडु के अन्य श्रमिक संघों से समर्थन मांगकर इसे और तेज करने की चेतावनी दी। इससे पहले, 2024 में वेतन संशोधन सहित विभिन्न मांगों को लेकर सैमसंग इंडिया के कर्मचारी 30 दिनों से अधिक समय तक हड़ताल पर रहे थे। बाद में तमिलनाडु सरकार के हस्तक्षेप के बाद इसे वापस ले लिया गया था।

मोदी का स्वर्णिम युग में दिल्ली ने विकास को चुना : एएनएस प्रसाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के भाजपा प्रवक्ता एएनएस प्रसाद ने कहा कि दिल्ली के लोगों ने कुशासन की बेड़ियों को तोड़ दिया है, मुहम्मद बिन तुगलक की याद दिलाने वाले झूठे और अराजक शासन को खारिज कर दिया है, जिसका अनुकरण अरविंद केजरीवाल के प्रशासन द्वारा किया जा रहा था। इसके बजाय, उन्होंने एक ऐसी सरकार को चुना है जो सुशासन का वादा करती है, जो डबल इंजन सरकार के साथ राज्यों में हासिल की गई प्रगति से प्रेरित है।

दिल्ली के लोगों ने अपनी बात कह दी है और उनका फैसला स्पष्ट है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासन के स्वर्णिम युग ने आशा और समृद्धि के एक नए युग की शुरुआत की है, जिसमें वादा किया गया है कि प्रत्येक नागरिक को सभी आवश्यक चीजें उपलब्ध होंगी। भाजपा का मार्गदर्शक सिद्धांत, एकात्म मानव दर्शन, सार्वभौमिक सुख और समृद्धि का लक्ष्य रखता है, तथा एक प्रगतिशील, मजबूत और समृद्ध भारत की कल्पना करता है जो वैश्विक महाशक्ति के रूप में चमक सके। यह निर्णायक जनादेश भाजपा के लिए एक ऐतिहासिक जीत का प्रतीक है, क्योंकि दिल्ली के लोगों ने एक ऐसी पार्टी को चुना है जो विकास और प्रगति को प्राथमिकता देती है। भाजपा ने भ्रष्टाचार, जातिवाद, अलगाववाद और जनविरोधी राजनीति को खारिज करने वाली नीतियों और कार्यक्रमों को लागू करने की कसम खाई है, जो भ्रष्ट और निरंकुश शासन को खत्म कर देंगे, जिसने दिल्ली के विकास में बाधा डाली है और इसके नागरिकों को पीड़ा दी है। यह आप की केजरीवाल सरकार से एक महत्वपूर्ण बदलाव है, जो मुहम्मद बिन तुगलक के अत्याचारी शासन की याद दिलाता था।

इस ऐतिहासिक जीत के साथ, दिल्ली के लोगों ने भाजपा के नेतृत्व और उज्ज्वल भविष्य के लिए अपने विश्वास की पुष्टि की है। कांग्रेस पार्टी, जिसने लगातार भारत के हितों के खिलाफ काम किया है, को करारी हार का सामना करना पड़ा है, 67 सीटों पर उसकी जमानत जब्त हो गई है। यह जनादेश दिल्ली की जनता का एक कड़ा संदेश है, जो इस बात की पुष्टि करता है कि कांग्रेस पार्टी को भारत से बाहर किया जाना चाहिए। दिल्ली की जनता ने एक बुद्धिमानी भरा फैसला लिया है, एक ऐसी सरकार को चुना है जो राज्य में प्रगति और विकास लाएगी।

प्रधानमंत्री मोदी का एजेंडा एक पार्टी, एक व्यक्ति' है : तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने रविवार को कहा कि केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित एक देश, एक चुनाव' सिद्धांत के खिलाफ लड़ना लोगों की जिम्मेदारी है क्योंकि यह व्यवस्थित रूप से 'लोकतंत्र को नुकसान' पहुंचाएगा। केरल के तिरुवनंतपुरम में मातृभूमि इंटरनेशनल फेस्टिवल ऑफ लेटर्स(एमबीआईएफएल) में रेड्डी ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का असली एजेंडा एक पार्टी, एक व्यक्ति है, न कि 'एक पार्टी एक चुनाव' है। केंद्र धीरे-धीरे राज्यों के अधिकारों पर नियंत्रण करने की कोशिश कर रहा है।

उन्होंने कहा कि राज्य में होने वाले चुनाव स्थानीय मुद्दों पर अधिक केंद्रित होते हैं जिन्हें कई राज्यों में क्षेत्रीय दल निपटा रहे हैं। उन्होंने आग्रह किया कि सभी राज्यों को नए कदम का विरोध करना चाहिए। रेड्डी ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नए दिशानिर्देशों की भी आलोचना की, जिसमें राज्य के विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति के लिए नए मानदंड निर्धारित किए गए हैं। उन्होंने कहा, केंद्र सरकार राज्यों से विश्वविद्यालयों के लिए बजटीय आवंटन करने की शक्तियां छीनने की कोशिश कर रही है। वे हर चीज को केंद्र के नियंत्रण में लाना चाहते है। रेड्डी ने कहा कि 'बुद्धिजीवियों' को इसका विरोध करना चाहिए।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के खराब प्रदर्शन पर रेड्डी ने कहा कि लोग 'पक्ष और विपक्ष' के बीच ध्रुवीकृत हो गए हैं।

प्रियंका गांधी ने वायनाड में मानव-पशु संघर्ष से निपटने के लिए अधिक धनराशि का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वायनाड। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने अपने निर्वाचन क्षेत्र वायनाड में मानव-पशु संघर्ष से निपटने के लिए धनराशि बढ़ाने को लेकर केंद्र और केरल सरकार पर दबाव डालने और इस संबंध में कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) कोष जुटाने का रविवार को संकल्प लिया। तिरुवम्बाडी विधानसभा क्षेत्र में पार्टी के बूथ स्तर के नेताओं को संबोधित करते हुए वायनाड से सांसद प्रियंका ने कहा कि वह मानव-पशु संघर्ष की घटनाओं को कम से कम करने का पूरा प्रयास करेंगी। प्रियंका ने कहा कि मनंतवाडी में बाघ के हमले में एक महिला की मौत के बाद जिलाधिकारी और वन अधिकारियों के साथ चर्चा के दौरान उन्होंने धन की कमी का मुद्दा उठाया।

प्रियंका ने कहा, ''मैंने उनसे कहा कि मैं समस्या के समाधान के लिए केंद्र और राज्य सरकार पर धनराशि बढ़ाने के लिए दबाव डालूंगी और साथ ही जहां भी हम मदद कर सकते हैं, वहां सीएसआर कोष जुटाएंगे।'' उन्होंने कहा कि जनवरी से अब तक जंगली जानवरों के हमलों के कारण वायनाड में चार मौतें हो चुकी हैं। वायनाड की अपनी तीन दिवसीय यात्रा के दूसरे दिन, प्रियंका ने एरनाड विधानसभा क्षेत्र में अपनी पहली बैठक में मानव-पशु संघर्ष के मुद्दे पर कहा कि वह केंद्र और राज्य सरकार (दोनों सरकारों) को अधिक धन आवंटित करने के लिए पत्र लिखेंगी, क्योंकि प्रभावी संरक्षण उपायों के लिए समुचित धन जरूरी है। बैठक के बाद मानव-पशु संघर्ष के मुद्दे पर पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि वह पहले भी एक बार इस मुद्दे को उठा चुकी हैं और आगे भी उठाती रहेंगी। कांग्रेस नेता ने कहा, यह एक जटिल मुद्दा है जिसका कोई आसान समाधान नहीं है। निश्चित रूप से, मैं जितना संभव हो उतना दबाव डालूंगी और जितना संभव हो उतना मुद्दा उठाऊंगी।

प्रियंका ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों दोनों से धन प्राप्त करने में कठिनाई हो रही है। उन्होंने कहा, ''मैं इस मुद्दे को उठाऊंगी और सुनिश्चित करूंगी कि इसका समाधान निकाला जाए। इससे पहले, प्रियंका ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि इतिहास में पहली बार कोई सरकार देश के संविधान और लोकतंत्र, दोनों को कमजोर करने के प्रयास कर रही है। एरनाड विधानसभा क्षेत्र में पार्टी के बूथ स्तर के नेताओं को संबोधित करते हुए प्रियंका ने कहा, ''यह शायद हमारे देश के इतिहास में पहली ऐसी सरकार है जो संविधान और लोकतंत्र को कमजोर करने के प्रयास कर रही है।''

उन्होंने कहा, आपको यह समझना चाहिए कि आज हम जो लड़ाई लड़ रहे हैं, वह सिर्फ हमारी अपनी राजनीति और विचारधारा की लड़ाई नहीं है, बल्कि भारत ने जो कुछ भी हासिल किया है उसे बचाने की लड़ाई है। पार्टी कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने कहा, आपने चुनाव में मेरे लिए बहुत समर्पण के साथ काम किया, मैं इसके लिए आभारी हूं। कांग्रेस सांसद ने उत्तराखंड में 38वें राष्ट्रीय खेलों में वॉलीबॉल में केरल के लिए स्वर्ण और रजत पदक जीतने वाले वायनाड के पुरुष और महिला खिलाड़ियों से भी मुलाकात की और उन्हें बधाई दी। लोकसभा उपचुनाव जीतने के बाद यह उनका दूसरा वायनाड दौरा है। इससे पहले, 28 जनवरी को प्रियंका ने वायनाड का दौरा किया था।

किरियन जैक्वैकैट ने एलियास यमेर को हराकर चेन्नई ओपन टेनिस का खिताब जीता

चेन्नई। फ्रांस के किरियन जैक्वैकैट ने रविवार को यहां स्वीडन के एलियास यमेर को सीधे सेटों में हराकर चेन्नई ओपन एटीपी चैलेंजर एकल खिताब को अपने नाम किया। विश्व रैंकिंग में 273 वें पायदान पर काबिज जैक्वैकैट ने एक घंटे और 37 मिनट में 7-6 (1), 6-4 से जीत दर्ज की।

एटीपी चैलेंजर टूर पर जैक्वैकैट का यह दूसरा खिताब है। एटीपी चैलेंजर टूर पर छह बार के चैंपियन यमेर को नवंबर 2018 में पुणे के बाद अपना पहला खिताब जीतने के लिए कुछ और समय इंतजार करना होगा।

जैक्वैकैट ने इस जीत से 100 एटीपी रैंकिंग अंक और पुरस्कार राशि में 22730 डॉलर अर्जित किए जबकि विश्व रैंकिंग में 332 वें पायदान पर काबिज यमेर को 50 एटीपी रैंकिंग अंक और 13,350 डॉलर मिले।

केरल में व्यक्ति ने पत्नी की चाकू गोदकर हत्या की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पलक्कड़। केरल के पलक्कड़ जिले में रविवार तड़के एक व्यक्ति ने पत्नी के साथ हुई कहासुनी के बाद उसकी कथित तौर पर चाकू मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह घटना पलक्कड़ जिले के उप्पुमपडम इलाके में हुई।

मृतका की पहचान यहां के थोलानूर के पास स्थित थोट्टाकारा निवासी चंद्रिका (52) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, चंद्रिका और उसके पति राजन (59) के बीच पिछले कुछ समय से पारिवारिक विवाद था।

पुलिस ने बताया कि संदेह है कि दंपति के बीच रविवार तड़के भी बहस हुई और राजन ने गुस्से में चंद्रिका पर चाकू से हमला कर दिया। पुलिस ने बताया कि राजन ने पत्नी की हत्या के बाद खुद को भी कथित तौर पर चाकू मारकर घायल कर लिया।

पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, घटना के समय दम्पति की बेटी भी घर में मौजूद थी। जब उसने अपनी मां की चीखें सुनीं, तो उसने कमरे का दरवाजा खोलने की कोशिश की, लेकिन दरवाजा अंदर से बंद था। उन्होंने बताया कि कुछ देर बाद राजन हाथ में चाकू लेकर बाहर आया और चंद्रिका कमरे में अचेत अवस्था में पड़ी मिली।

उन्होंने बताया कि चंद्रिका को हालांकि तत्काल पास के एक अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। पुलिस ने बताया कि राजन को गंभीर चोटें आई हैं और उसका पड़ोसी त्रिशूर जिले के मेडिकल कॉलेज अस्पताल में उपचार किया जा रहा है।

एयरो इंडिया : एयर चीफ मार्शल सिंह, सेना प्रमुख द्विवेदी ने तेजस में उड़ान भरी

बेंगलूरु। वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह और थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने रविवार को येलहांका स्थित वायुसेना अड्डे पर हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) तेजस में उड़ान भरकर भव्य एयरो इंडिया-2025 की रूपरेखा तैयार की। शीर्ष अधिकारियों की तेजस में यह उड़ान यहां सोमवार से शुरू हो रहे इस द्विवार्षिक भव्य कार्यक्रम की पूर्व भूमिका थी। एयरो इंडिया 2025 सोमवार से शुरू होकर 14 फरवरी तक चलेगा।

जब एयर चीफ मार्शल ने सेना प्रमुख के साथ तेजस को उड़ाया तो सभी की निगाहें आसमान की ओर लगी रहीं। सफल उड़ान के बाद जनरल द्विवेदी ने इस अनुभव को उनके जीवन का सबसे अच्छा पल बताया। जनरल द्विवेदी ने पत्रकारों को बताया, यह मेरे जीवन का सबसे अच्छा पल था और जैसा कि आप जानते हैं कि एयर चीफ मार्शल और मैंने साथ में कोर्स किया है। हम एनडीए (नेशनल डिफेंस एकेडमी) के दिनों से साथ हैं। काश कि वह मुझसे पहले मिलते और मैं निश्चित रूप से वायुसेना में जाता। जैसा कि मैंने पहले भी कहा है, अगर मैं वायुसेना में जाता तो मैं लड़ाकू पायलट होता। उन्होंने कहा, और मैं यह जरूर कहना चाहूंगा कि आज से एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह मेरे गुरु हैं, क्योंकि उन्होंने मुझे आसमान में रहते हुए बहुत सी भूमिकाएं और अन्य गतिविधियां करने को कहा। सेना प्रमुख ने कहा कि उन्होंने उड़ान का आनंद लिया क्योंकि यह एक बड़ी चुनौती थी। उन्होंने कहा, मैं भारतीय वायुसेना का बहुत आभारी हूं और वायुसेना के पायलट जिस तरह की चुनौतियों को स्वीकार करते हैं उसके लिये मुझे उनकी प्रशंसा करनी चाहिए और इसके लिए हम सभी की ओर से एक महान तालमेलपूर्ण दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है और मुझे यकीन है कि यह एयरो इंडिया-2025 के लिए एक अच्छी शुरुआत है। एलसीए तेजस एक भारतीय लड़ाकू विमान है जिसे एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी (एडीए) द्वारा डिजाइन किया गया है और हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) द्वारा भारतीय वायु सेना (आईएएफ) और भारतीय नौसेना के लिए निर्मित किया गया है।

विकसित भारत की महायात्रा में किसान की भूमिका को कोई कुंठित नहीं कर सकता : जगदीप धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को कहा कि विकसित भारत की महायात्रा में किसान की भूमिका को कोई कुंठित नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि किसान के हाथों में राजनीतिक ताकत और आर्थिक योग्यता है, उसे किसी की मदद का मोहताज नहीं होना चाहिए।

चित्तौडगढ़ में अखिल मेवाड़ क्षेत्र जाट महासभा को सम्बोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा, किसान की आर्थिक स्थिति में जब उत्थान आता है तो देश की व्यवस्था में उद्धार आता है। बाकी किसान दाता है, किसान को किसी की ओर नहीं देखना चाहिए, किसी की मदद का मोहताज किसान नहीं होना चाहिए, क्योंकि किसान के सबल हाथों में राजनीतिक ताकत है, आर्थिक योग्यता है।

उन्होंने कहा, कुछ भी हो जाए, कितनी बाधाएं आएं, कोई भी अवरोधक बने, आज के दिन विकसित भारत की महायात्रा में किसान की भूमिका को कोई कुंठित नहीं कर सकता। आज की शासन व्यवस्था किसान के प्रति नतमस्तक है। उपराष्ट्रपति ने 25 साल पहले हुए जाट आरक्षण आंदोलन के दिनों को याद करते हुए कहा, मैं यहां 25 साल बाद आया हूं, 25 साल पहले इसी जगह पर एक बहुत अच्छा काम हुआ था। सामाजिक न्याय की लड़ाई की शुरुआत हुई थी, जाट और कुछ जातियों को आरक्षण मिले।

उन्होंने कहा,यह शुरुआत 1999 की थी, समाज के प्रमुख

लोग यहां उपस्थित थे। मैं भी उनमें एक था। आज उसके नतीजे देश और राज्य की प्रशासनिक सेवाओं में मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि उसी आरक्षण का जिनको लाभ मिला है, आज वो सरकार में प्रमुख पदों पर हैं। धनखड़ ने कहा, उनसे मेरा आग्रह रहेगा कि वे पीछे मुड़कर जरूर देखें और कभी नहीं भूलें कि इस समाज के सहयोग की वजह से, इस समाज के प्रयास से हमें सामाजिक न्याय मिला.। वैसे जब भी कोई आंदोलन होता है, खास तौर से आरक्षण से जुड़ा हुआ। लोग हिंसक हो जाते हैं। पर इस पावन भूमि पर मेरा सिर गर्व से ऊंचा है कि दुनिया के लिए हमारा आंदोलन सामाजिक न्याय का सबसे बड़ी मिसाल है। कहीं कोई अव्यवस्था नहीं हुई, कहीं कोई हिंसा नहीं हुई।

किसानों से कृषि विज्ञान केंद्रों का लाभ लेने का आग्रह करते हुए उन्होंने कहा, किसान को मदद करने के लिए 730 से ज़्यादा कृषक विज्ञान केंद्र हैं। वहां जाइए और उनसे कहिएआप हमारी क्या सेवा करेंगे? नई तकनीकों का ज्ञान लीजिए, सरकारी नीतियों की जानकारी लीजिए।

उपराष्ट्रपति ने किसानों से कृषि उत्पादों के व्यापार और मूल्य संवर्धन में अपनी भागीदारी बढ़ाने पर ज़ोर देते हुए कहा, किसान अपने उत्पाद की मूल्य वृद्धि क्यों नहीं कर रहा? अनेक व्यापार किसान के उत्पादों पर आधारित हैं। आटा मिल, तेल मिल, अनगिनत हैं। अब किसान को पशुधन की ओर ध्यान देना चाहिए। उपराष्ट्रपति ने कहा, मेरा आग्रह किसान से है। किसान अपने उत्पाद के व्यापार से क्यों नहीं जुड़ा हुआ है? किसान उसमें क्यों नहीं भागीदारी कर रहा है?

उन्होंने कहा हमारे नौजवान प्रतिभाशाली हैं। मेरा विनम्र आग्रह हैज़्यादा से ज़्यादा किसानों को सहकारिता का फायदा लेते हुए, अन्य व्यवसायों में, कृषि उत्पादन के व्यवसाय में, अपने आपको लगन के साथ लगा देना चाहिए। इसके दूरगामी आर्थिक सकारात्मक परिणाम होंगे।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार रोकने के लिए कूटनीतिक कदम उठाए भारत सरकार : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रविवार को कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों को रोकने के लिए केंद्र को कूटनीतिक कदम उठाने चाहिए। गहलोत ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद से हुई हिंसा में 23 हिन्दुओं की हत्या हो चुकी है एवं 152 मंदिरों में तोड़फोड़ की जा चुकी है।

उन्होंने कहा यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि ऐसी परिस्थिति के बावजूद भारत सरकार ने वैश्विक मंच पर अभी तक कोई भी बयान देना या बांग्लादेश पर दबाव डालना उचित नहीं समझा है।

राजस्थान के अधिकतर स्थानों पर न्यूनतम और अधिकतम तापमान में वृद्धि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के अधिकतर स्थानों पर न्यूनतम और अधिकतम तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस तक की वृद्धि दर्ज की गई। मौसम विभाग ने राज्य में आगामी दिनों में मौसम शुष्क रहने और तापमान में बढ़ोतरी होने की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अनुसार बीते 24 घंटे के दौरान आसमान साफ रहा और सभी शहरों में तेज धूप निकली। इस दौरान फतेहपुर, नागौर, बीकानेर, बाड़मेर, उदयपुर, सीकर और अलवर में अधिकतम तापमान 3-4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ गया।

बाड़मेर शनिवार को सबसे गर्म स्थान रहा जहां अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं दौसा में सबसे कम न्यूनतम तापमान 5.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। करौली में न्यूनतम तापमान 5.6 डिग्री, संगरिया में न्यूनतम तापमान 6.3 डिग्री सेल्सियस, भीलवाड़ा में 7 डिग्री, चित्तौड़गढ़ में 7.2 डिग्री, सिरोही में 7.6 डिग्री, जालौर में 7.8 डिग्री अलवर-डबोक में 8.2 डिग्री सेल्सियस और अन्य स्थानों पर 8.3 डिग्री सेल्सियस से लेकर 13.4 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया।

वहीं राज्य के अधिकांश शहरों में शनिवार को अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस से लेकर 25.2 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया।

दिल्ली चुनाव में जनता के नकार देने पर कांग्रेस को याद आए हिंदू : राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बंगलादेश हिंसा पर दिए बयान पर पलटवार करते हुए कहा है कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद अब कांग्रेस नेताओं को एक बार ङ्कफिर हिंदू याद आने लगे है।

राठौड़ ने रविवार को भाजपा कार्यालय में मीडिया से बात करते हुए कहा कि दिल्ली चुनाव में तुष्टीकरण के चलते धर्म विशेष को खुश करने के लिए इतने दिन किसी भी कांग्रेस नेता के मुंह से बंगलादेश हिंसा पर एक शब्द नहीं निकला लेकिन दिल्ली चुनाव के नतीजे आने के बाद एक बार फिर कांग्रेस नेताओं ने छद्म हिंदुत्व का राग अलापना शुरू कर दिया है। सदैव तुष्टीकरण की बात करने वाले भी अब हिन्दु हितों की बात करने लगे हैं यह अच्छी बात हैं।

उन्होंने कहा कि बंगलादेश ङ्कहिंसा को लेकर केन्द्र सरकार कूटनीतिक रूप से वहां की सरकार पर दवाब बना रही है। केन्द्र सरकार एवं विदेश मंत्रालय में समय समय पर बंगलादेश के दूतावास एवं बंगलादेश सरकार को हिन्दुओं पर हो रहे हमलों को रोकने का कड़ा सन्देश दिया हैं साथ ही विदेश मंत्रालय पूर्ण स्थिति पर निगाह बनाऐ हुऐ है।

केन्द्र सरकार के साथ ही भाजपा ऐसी अमानवीय घटनाओं की पूर्णतः रोकथाम के लिए निरन्तर प्रयासरत हैं वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व के अनेक लोकतांत्रिक देशों से बात कर उन देशों द्वारा भी बंगलादेश पर यथोचित दबाव बनाने का निरन्तर प्रयास किया हैं। केन्द्र सरकार के इन प्रयासों के कारण ही बंगलादेश में निर्मम अमानवीय हिंसक घटनाओं पर अंकुश लगा हैं। राठौड़ ने राज्य सरकार के पुजारियों के मानदेय बढो तरी के निर्णय को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि कांग्रेस ने सिर्फ तुष्टीकरण किया था, एक ही धर्म को आगे बढाने का कार्य किया। हम सभी धर्मो का सम्मान करते है। मंदिरों को कांग्रेस सरकार ने कोई सहयोग नहीं किया उल्टा मंदिरों पर टैक्स लगाए। देवस्थान विभाग ने अंडरटेकिंग करने का काम किया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पवित्र स्थल कुंभ में जाकर मंङ्कत्रिमंडडल की बैठक की और पुजारियों का मानेदय बढाया।

उन्होंने कहा कि यह सही है कि असत्य ज्यादा दिन नहीं चल सकता। अन्ना हजारे के आंदोलन से उपजी देशवासियों की भावनाओं को केजरीवाल ने हथियार बनाया और आम आदमी के नाम का सहारा लेकर दिल्ली की सत्ता हासिल की। इसके बाद केजरीवाल और उनके मंत्रिमंडल के सहयोगी आकंठ भ्रष्टाचार में डूब गए थे। उनके ऐसे कारनामो को देखकर लगता है कि आम आदमी पार्टी का लंबा भविष्य नहीं है। दिल्ली चुनाव के नतीजों ने एक बार ङ्कफिर स्पष्ट कर दिया है कि मोदी ही स्वच्छ और भ्रष्टाचार मुक्त शासन दे सकते है। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली के बाद अब बिहार के चुनावों में भी भाजपा जीत का परचम लहराएगी।

आह्वान

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने रविवार को महाराष्ट्र के शिर्डी स्थित महाराष्ट्र राज्य सहकारी पत संघ फेडरेशन द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय परिषद के कार्यक्रम में भाग लिया। राज्यपाल बागडे ने इस दौरान सहकारिता के आदर्श को अपनाते हुए राष्ट्र और राज्य के विकास में सभी को समान रूप से भागीदारी निभाने का आह्वान किया। उन्होंने महाराष्ट्र राज्य सहकारी पत संस्था फेडरेशन के कार्यक्रम को सहकारिता की भावना की दृष्टि से महत्वपूर्ण बताया।

सड़क हादसे में दो बच्चों समेत तीन की मौत

जयपुर। राजस्थान में चूरू जिले के सरदारशहर थाना क्षेत्र में शनिवार शाम को एक मोटरसाइकिल और कार की टक्कर हो जाने से दोपहिया वाहन पर सवार एक व्यक्ति और उसके दो बच्चों की मौत हो गई तथा उसकी पत्नी घायल हो गई। पुलिस ने बताया कि सीताराम मेघवाल (35) मोटरसाइकिल पर अपनी पत्नी गौरा देवी (30), बेटी ऋतिका (चार) और दो साल के बेटे के साथ सरदारशहर से अपने गांव जा रहा था लेकिन आसपालसर के पास कार से उनकी मोटरसाइकिल की टक्कर हो गई।

पुलिस ने बताया कि घायलों को तत्काल राजकीय अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने सीताराम और उसकी बेटी ऋतिका को मृत घोषित कर दिया।

'अलवर टाइगर मैराथन' उत्साह एवं उमंग के साथ दौड़े हजारों एथलीट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री एवं अलवर सांसद भूपेंद्र यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन फिट इंडिया हिट इंडिया से अभिप्रेरित होकर अलवर सांसद खेल उत्सव का आयोजन कराया गया जिसके अन्तर्गत रविवार को अलवर जिले में टाइगर मैराथन का प्रताप ऑडिटोरियम से झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। अलवर टाइगर मैराथन के अंतर्गत आयोजित 21 किलोमीटर हाफ मैराथन, 10 किलोमीटर मैराथन, 5 किलोमीटर शक्ति रन एवं 2 किलोमीटर पैरा मैराथन में उत्साह एवं उमंग के साथ हजारों की संख्या में अलवर जिले सहित देशभर के प्रसिद्ध धावकों ने हिस्सा लिया।

केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव के साथ वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा, रामगढ़ विधायक सुखवन्त सिंह, जिला प्रमुख बलबीर छिल्बर,जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला सहित अन्य प्रबुध व्यक्तियों ने मैराथन में विभिन्न श्रेणियां में विजेता एथलीटों को मेडल के साथ नगद सम्मान राशि से पुरस्कृत किया।

यादव ने इस अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'फिट इंडिया हिट इंडिया' के संदेश को आगे बढ़ाते हुए अलवर सांसद खेल उत्सव का आयोजन कराया गया। जिले के सभी क्षेत्रों से बड़ी संख्या में युवाओं व जिले के नागरिकों में अपनी भागीदारी इस आयोजन में निभाई। इस आयोजन का उदेश्य स्वस्थ अलवर स्वच्छ के साथ अलवर को पर्यटन व खेल के क्षेत्र में विश्व पटल पर लाना है। उन्होंने अलवर सांसद खेल उत्सव के भव्य समापन के अवसर पर अलवर टाइगर मैराथन के सफल आयोजन के लिए मैराथन में देशभर से पधारे बेहतरीन एथलेटिक्स, पैरामिलिट्री व पुलिस फॉर्स, कॉर्पोरेट, जिला प्रशासन, दिव्यांगजन व जिले के सुदूर गांव से लेकर शहर तक के वासियों की सहभागिता के लिए आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि अलवर सांसद खेल उत्सव के तहत आठों विधानसभा क्षेत्रा में हजारों खिलाड़ियों ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में भाग लिया था, वहीं प्रति विधानसभा स्तर पर खेल उत्सव में लगभग 10 हजार सक्रिय लोग भागीदार बने है। उन्होंने बताया कि 8 फरवरी को इंदिरा गांधी स्टेडियम में आयोजित खेलों की फाइनल प्रतियोगिताओं में लगभग एक हजार 800 प्रतिभागी सम्मिलित हुए तथा 7 फरवरी को माउंट लिटरा ज़ी स्कूल में आयोजित क्रिकेट फाइनल प्रतियोगिताओं में मुख्य अतिथि केंद्रीय खेल एवं युवा मामलात राज्यमंत्री श्रीमती रक्षा खडसे ने शिरकत कर विजेता टीमों का उत्साहवर्धन कर, उन्हें सम्मानित किया।

उन्होंने कहा कि यह खेल महाकुंभ अगले साल भी आयोजित होगा तथा अलवर टाइगर मैराथन को हम सब मिलकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाएंगे। उन्होंने कहा कि अलवर में मेट प्रशिक्षण एवं सिंथेटिक ट्रैक की आवश्यकता है, इसकी जल्द व्यवस्था करने का प्रयास किया जाएगा। अगले वर्ष मैराथन के आयोजन से पूर्व एक सप्ताह तक शहर में सफाई का विशेष अभियान चलाएंगे, ताकि दुनिया भर से आने वाले एथलीट अलवर की स्वच्छता को देखकर सराहना करें। अलवर टाईगर मैराथन में विभिन्न राज्यों से आये एथलीट्स ने अलवर के पर्यटन स्थल बाला किला को देखा, इससे जिले में पर्यटन के साथ-साथ अन्य विकासात्मक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि अलवर के लगभग 208 यूथ क्लबों को अलवर के विकास के लिए भी आगे बढ़ाएगें। उन्होंने कहा कि सांसद खेल उत्सव के तहत जुड़े लगभग 20 हजार लोगों को प्रधानमंत्री मोदी के 'माय भारत पोर्टल' पर जुड़े उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि इस पोर्टल पर पंजीयन कराकर इसके माध्यम से वॉलंटियरी कार्य, शिक्षा एवं कौशल प्रशिक्षण से जुड़े। यादव ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा अतुल्य भारत की तर्ज पर स्वच्छता के लिए अतुल्य अलवर के रूप में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अलवर के ऐतिहासिक स्थल जहां पर स्वामी विवेकानंद जी आकर ठहरे थे, उसे सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर द्वारा दी गई 30 लाख रुपए की राशि से एवं वी-शक्ति ट्रस्ट द्वारा भी दिए गए 30 लाख रुपए के योगदान से ई-लाइब्रेरी सहित आधुनिक रूप से विकसित किया गया है। अलवर संसदीय क्षेत्र में बच्चों की शिक्षा के लिए 100 ई-लाइब्रेरी स्थापित की जाएंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अटल टिंकरिंग लैब स्थापना के सपने को साकार करते हुए, बच्चे सुगम रूप से साइंस, टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रॉनिक एवं मैथ का ज्ञान अर्जित कर सके, इस हेतु सरकारी विद्यालयों में अटल टिंकरिंग लैब स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि अलवर में प्याज के लिए सेंट्र ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करवाने के साथ-साथ किसान उत्पादक संगठनों एवं स्वयं सहायता समूह को बढ़ावा दिया जाएगा।

ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान एवं आधारभूत विकास में कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी : चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। ''जनप्रतिनिधि आपके द्वार'' के तहत जलदाय मंत्री कन्हैया लाल चौधरी रविवार को टोंक जिले के विधानसभा क्षेत्र टोडारायसिंह के दौरे पर रहे। लगभग एक दर्जन से अधिक गांवों का दौरा कर ग्रामीणों की व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक समस्याओं को सुना। साथ ही, पात्र लोगों को आवासीय पट्टे सौंपे तथा कचरा गाड़ी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

जनसुनवाई के दौरान चौधरी ने ग्रामीणों से कहा कि वे अपनी समस्याएं लिखकर दें, और उसमें अपना नाम व मोबाईल नंबर भी दर्ज करें, ताकि आपको आगामी 15 दिन में फोन से तथा लिखित में सूचना दी जा सकें। जलदाय मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि लोगों की समस्याओं का निस्तारण नियत समय पर करें तथा नहीं हो सकने वाले काम का कारण उन्हें लिखित में बताएं। पात्र लोगों को कार्यालय के चक्कर नहीं कटवाएं अन्यथा ऐसे लापरवाह अधिकारियों व कार्मिकों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

चौधरी ने कहा कि ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान एवं आधारभूत विकास में कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी। ग्रामीण प्राथमिकता के आधार पर काम बताएं ताकि आगामी 4 साल में क्षेत्र का विकास चरणबद्ध रूप से किया जा सकें। उन्होंने कहा कि राजमहल, बोटूंदा, कंवरावास, सालग्यावास में फ्लोराइड युक्त पानी की समस्या के समाधान के लिए 21 करोड़ रुपये की योजना बनाई गई है। इसे शीघ्र ही धरातल पर उतारा जाएगा। इस पर चारों ग्राम पंचायतों के लोगों ने जलदाय मंत्री का आभार जताया।

जलदाय मंत्री ने थड़ोली, बोटूंदा समेत अन्य गांवों में कचरा पात्र गाड़ी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान उन्होंने लोगों से कहा कि गांव में साफ-सफाई रखना बेहद जरूरी है। इससे हम कई बीमारियों से बचे रहते है। उन्होंने बोटूंदा ग्राम पंचायत में ग्रामीणों को आवासीय पट्टे सौंपे। वे थड़ोली ग्राम पंचायत में खेत में काम कर रही लाली देवी की करंट लगने से मौत होने पर उसके घर भी गए। जहां शोकाकुल परिजनों को सांत्वना दी।

जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान जलदाय मंत्री चौधरी ने ग्रामीणों को सरकार की योजनाओं की जानकारी दी। प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, गोपाल क्रेडिट कार्ड ऋण योजना, मां वाउचर योजना, लाडो प्रोत्साहन योजना, खाद्य सुरक्षा योजना समेत अन्य जनकल्याणकारी योजना का लाभ लेने के लिए ग्रामीणों को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सरकार गरीब, वंचित वर्ग के कल्याण के लिए सदैव साथ खड़ी है।

कोलकाता में झुग्गी बस्ती में आग लगने से एक व्यक्ति की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। कोलकाता के नारकेलडांगा इलाके में कम से कम 30 झुग्गियों में भीषण आग लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। दमकल विभाग के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि आग बुझाने के लिए दमकल के 17 वाहन मौके पर पहुंचे और यह आग शनिवार रात करीब 10 बजे लगी थी। अधिकारियों ने बताया कि आग लगने के कारण करीब 200 लोग बेघर हो गए। अधिकारियों के अनुसार, दमकल कर्मियों ने रात करीब तीन बजे आग पर काबू पाया जिसके बाद हबीबुल्लाह मोल्लाह (65) का जला हुआ शव झुग्गियों के पास स्थित एक गोदाम से बरामद किया गया।

पश्चिम बंगाल के निकाय मामलों के मंत्री और कोलकाता नगर निगम के मेयर फिरहाद हकीम ने घटनास्थल का दौरा कर स्थानीय लोगों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि बेघर हुए परिवारों को वित्तीय सहायता के अलावा नजदीक में अस्थायी आवास भी उपलब्ध कराया जाएगा और मृतक के परिजन को कानून के अनुसार मुआवजा दिया जाएगा।

हकीम के लौट जाने के बाद झुग्गीवासियों के एक वर्ग ने स्थानीय पार्षद सचिन सिंह के खिलाफ नारेबाजी की और उन पर क्षेत्र में अवैध दुकानें तथा झुग्गियां बनाने का आरोप लगाया, जिससे सार्वजनिक सुरक्षा खतरे में पड़ गई।

बाद में सिंह के समर्थकों ने प्रदर्शनकारियों के साथ धक्का-मुक्की की, जिसके बाद पुलिस ने हस्तक्षेप कर स्थिति को नियंत्रण में किया।

महाकुंभ ग्लैमर और पांच सितारा संस्कृति का अड्डा नहीं, आस्था का संगम है : महंत धर्मेंद्र दास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभ नगर (उप्र)/भाषा। प्रयागराज के महाकुंभ-2025 में चमक-दमक की दुनिया से जुड़े लोगों की चर्चा संतों के एक वर्ग को पसंद नहीं आयी और इस वर्ग का मानना है कि इसकी वजह से अध्यात्म और सनातन के इस महापर्व से ध्यान भटकता है।

श्री उदासीन अखाड़ा बंधुआ कला छावनी के प्रमुख और अखिल भारतीय उदासीन संप्रदाय संगत के सभापति श्री महंत धर्मेंद्र दास इन साधुओं में से एक हैं।

प्रयागराज महाकुंभ में त्रिवेणी रोड मेला स्थल के सेक्टर-20 में स्थित अपनी छावनी (शिविर) में धर्मेन्द्र दास ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा ''अगर इतने साधु संतों की सेवा को छोड़कर मीडिया ऐसे लोगों का प्रचार करे तो दोष तो मीडिया का है। मीडिया घराने ऐसा क्यों कर रहे हैं, इस पर आप लोगों को ही चिंतन करना चाहिए।

दास ने महाकुंभ के दौरान मॉडल से साध्वी बनीं हर्षा रिछारिया, माला बेचने वाली मोनालिसा और अन्य व्यक्तियों की चर्चा के बारे में पूछे जाने पर यह टिप्पणी की। महंत ने कहा, महाकुंभ ग्लैमर और पांच सितारा संस्कृति का अड्डा नहीं, यह संतों, श्रद्धालुओं और सनातन की आस्था का संगम है।

हाल ही में पूर्व अभिनेत्री ममता कुलकर्णी समेत कई लोगों को महाकुंभ में महामंडलेश्वर बनाने और कुछ लोगों को हटाने की बात पर बिना किसी का जिक्र किए उन्होंने कहा कि महामंडलेश्वर और

मंडलेश्वर का पद अखाड़ों के संतों से परामर्श के बाद दिया जाता है। यदि कोई महान विद्वान है और उसकी सेवा सराहनीय है, तो उसे मंडलेश बनाया जाता है। मंडलेश्वर की उपाधि अस्थायी होती है और यदि कोई गलत काम करता है, तो अखाड़े को उसे वापस लेने का अधिकार है। महंत ने मौनी अमावस्या के पर्व पर 29 जनवरी को महाकुंभ में भगदड़ में 30 श्रद्धालुओं की मौत और 60 लोगों के घायल होने पर एक बार फिर दुख प्रकट किया। दास ने यह कहा, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कड़ी मेहनत की, व्यवस्था की निगरानी के लिए कई बार महाकुंभ का दौरा किया, लेकिन अधिकारी अति विशिष्ट व्यक्तियों की आवाजाही में अधिक व्यस्त दिखे और आम श्रद्धालुओं की देखभाल के लिए उनके पास समय नहीं था। उन्होंने कहा, अधिकारियों ने अपने रिश्तेदारों और दोस्तों को विशेष सुविधाएं देने में अधिक रुचि दिखाई और योगी आदित्यनाथ के प्रयासों पर पानी फेर दिया।

भगदड़ के दौरान मौनी अमावस्या के स्नान के समय की शुरुआत का इंतजार कर रहे या सो रहे कई श्रद्धालु कुचल गए। दास से जब पूछा गया कि अगर श्रद्धालुओं के लिए सुविधाएं होतीं, तो क्या यह त्रासदी नहीं होती। इसपर उन्होंने कहा, 'श्रद्धालुओं की आस्था है कि वे यहां आकर रेत पर ही सोते हैं। आप विश्व की कितनी बड़ी टेंट सिटी बना लें, सारी व्यवस्था कर लें लेकिन आस्था और गंगा से प्रेम के कारण लोग मानते हैं कि वे रेत पर सोएंगे और खुले आसमान के नीचे रात बिताकर सुबह स्नान करके घर चले जाएंगे।

दास ने दावा किया, 'ऐसे श्रद्धालुओं की संख्या छोटी-मोटी नहीं बल्कि 35 प्रतिशत है। अगर महाकुंभ में 50 करोड़ लोग आ रहे हैं तो लगभग 15 से 20 करोड़ ऐसे होंगे जो रेत में रहकर गंगा स्नान करेंगे और न उन्हें आपकी व्यवस्था से मतलब है, न चमक-दमक से। वे संगम के लिए आए हैं। उनसे हमें बड़ी सीख लेना चाहिए। असली तपस्या उनकी ही है।

मणिपुर के मुख्यमंत्री का इस्तीफा 'देर से' उठाया कदम है, लोगों को मोदी के दौरे का इंतजार : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने मणिपुर के मुख्यमंत्री पद से एन बीरेन सिंह के इस्तीफे को ''देर से उठाया गया कदम'' बताते हुए रविवार को कहा कि राज्य के लोगों को अब ''लगातार विदेशी दौरों पर रहने वाले हमारे प्रधानमंत्री'' नरेन्द्र मोदी के आने का इंतजार हैं।

मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने रविवार को राजभवन में राज्यपाल अजय कुमार भल्ला को अपना इस्तीफा सौंप दिया। इसके कुछ ही देर बाद कांग्रेस ने यह प्रतिक्रिया दी। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव (संचार प्रभारी) जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस सोमवार को मणिपुर विधानसभा में सिंह और उनकी मंत्रिपरिषद के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए तैयार है। रमेश कहा, मणिपुर के मुख्यमंत्री ने माहौल को भांपते हुए इस्तीफा दे दिया। कांग्रेस मणिपुर में हिंसा भड़कने पर मई 2023 की

शुरुआत से इसकी मांग कर रही थी। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री का इस्तीफा देर से दिया गया। अब मणिपुर के लोग लगातार विदेश यात्रा करने वाले हमारे प्रधानमंत्री के दौरे का इंतजार कर रहे हैं, जो फ्रांस और अमेरिका की यात्रा पर (जाने वाले) हैं और जिन्हें पिछले 20 महीने में मणिपुर जाने के लिए न तो समय मिला है और न ही उनकी इच्छा है। इससे पहले, सिंह ने राज्यपाल को लिखे अपने पत्र में कहा, अब तक मणिपुर के लोगों की सेवा करना मेरे लिए सम्मान की बात रही है। मैं प्रत्येक मणिपुरी के हितों की रक्षा के लिए समय पर की गई कार्रवाई, हस्तक्षेप, विकास कार्यों और विभिन्न परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए केंद्र सरकार का बहुत आभारी हूं।

मणिपुर के थौबल में अज्ञात बंदूकधारियों ने आईआरबी चौकी से हथियार लूट लिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। मणिपुर के थौबल जिले में अज्ञात बंदूकधारियों ने 'इंडिया रिजर्व बटालियन (आईआरबी)' की चौकी से हथियार लूट लिए। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि शनिवार रात जिले के काकमाई इलाके में बंदूकधारी वाहनों में सवार होकर आए और आईआरबी चौकी से हथियार लूट लिए। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, थौबल जिले के काकमाई में कई वाहनों में सवार होकर आए हथियारबंद लोगों ने एक चौकी से आईआरबी और मणिपुर राइफल्स के जवानों से कम से कम छह एसएलआर और तीन एके राइफलें लूट लीं। उन्होंने कहा, चौकी से करीब 270 गोलाबारूद और 12 मैगजीन भी लूटी गईं। अधिकारियों ने बताया कि इलाके में अतिरिक्त सुरक्षाकर्मियों को भेजा गया है और वे तलाशी अभियान चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस घटना की जांच भी की जा रही है।

विपक्षी गठबंधन तेजी से बिखर रहा है : धर्मेंद्र प्रधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने रविवार को दावा किया कि अपने घटक दलों के विरोधाभासों से भरा विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' तेजी से बिखर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि विपक्षी गठबंधन के पास कोई साझा एजेंडा नहीं है।

प्रधान ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में एक सवाल पर कहा, इंडिया गठबंधन अपने घटक दलों के विरोधाभासों से ग्रस्त है और तेजी से बिखर रहा है। 'इंडिया' के घटक दल देश के विभिन्न क्षेत्रों में हार का सामना कर रहे हैं, क्योंकि उनके पास कोई साझा एजेंडा नहीं है। प्रतिक्रियावादी गठबंधन लगभग समाप्त हो चुका है। प्रधान ने कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में 'इंडिया' के एक सहयोगी दल (आप) को 10 साल तक सत्ता में रहने के बाद हार का सामना करना पड़ा है, जबकि दूसरे सहयोगी दल (कांग्रेस) का, राष्ट्रीय राजधानी में लंबे समय तक सत्ता में रहने के बाद भी खाता नहीं खुला। उन्होंने कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विकास नीति पर मुहर है।

उन्होंने कहा, यह राष्ट्रीय राजधानी को एक खूबसूरत शहर बनाने के लिए भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में दिल्ली के निवासियों का फैसला है। दिल्ली में 26 साल से अधिक समय बाद भाजपा सत्ता में लौटी है। चुनाव में भाजपा ने 70 में से 48 सीटें जीती हैं जबकि आप को 22 सीटों पर जीत मिली। कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिली।

बंगाल में होने वाले 2026 के विधानसभा चुनावों में भाजपा सत्ता में आएगी : प्रधान

कोलकाता/भाषा। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने रविवार को कहा कि 2026 के विधानसभा चुनावों में पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी सत्ता में आएगी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने ममता बनर्जी सरकार पर पश्चिम बंगाल में केंद्रीय परियोजनाओं के कार्यान्वयन में बाधा डालने का आरोप लगाया। इसके साथ ही मंत्री ने केंद्र की ओर से राज्य की अनदेखी करने के प्रदेश सरकार के आरोपों की आलोचना की। प्रधान ने यहां एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा, पश्चिम बंगाल में भाजपा का वोट शेयर 2019 से लगभग 30-40 प्रतिशत रहा है और अगर पार्टी को 10 प्रतिशत वोट और मिलते हैं, तो वह ममता बनर्जी सरकार को सत्ता से हटा देगी।

प्रधान ने कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी (आप) की हार लोगों का भाजपा में भारी विश्वास और 'भ्रष्ट' अरविंद केजरीवाल सरकार की अस्वीकृति को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने पश्चिम बंगाल में 42 में से 18 सीटें जीतकर अपनी छाप छोड़ी थी। उन्होंने कहा, हमने 2021 के विधानसभा चुनावों में 77 सीटें और 2024 के आम चुनावों में 12 लोकसभा सीटें जीतीं। 2019 से भाजपा का मतदान प्रतिशत लगभग 30-40 प्रतिशत रहा है और हमें पश्चिम बंगाल में सत्ता में आने के लिए 10 प्रतिशत वोटों की आवश्यकता है।

महाकुम्भ में सोमवार सुबह डुबकी लगाएंगी राष्ट्रपति मुर्मू

महाकुम्भ नगर, (उप्र)/भाषा। प्रयागराज के महाकुंभ में सोमवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू डुबकी लगाएंगी। रविवार को जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान के अनुसार मुर्मू आठ घंटे से अधिक समय तक प्रयागराज में रहेंगी और इस दौरान संगम स्नान के साथ ही यहां अक्षयवट और बड़े हनुमान मंदिर में दर्शन-पूजन करेंगी। इस दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहेंगे। राष्ट्रपति के दौरे को देखते हुए प्रयागराज में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद कर दी गई है। बयान में कहा गया कि राष्ट्रपति सुबह संगम नोज़ पहुंचकर त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाएंगी। देश की प्रथम नागरिक का संगम में डुबकी लगाने का यह ऐतिहासिक क्षण होगा। इससे पहले प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने भी महाकुम्भ में पावन स्नान किया था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इसके उपरांत धार्मिक आस्था को और मजबूती देने के लिए अक्षयवट का दर्शन-पूजन करेंगी। यह हिन्दू धर्म का एक महत्वपूर्ण स्थल है, जिसकी महत्ता पुराणों में भी वर्णित है। इसके अलावा वह बड़े हनुमान मंदिर में भी दर्शन करेंगी और पूजा-अर्चना कर देशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना करेंगी।

बिहार पर दिल्ली चुनाव का कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा : तेजस्वी

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की शानदार जीत का बिहार विधानसभा चुनाव में कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, जहां इस साल के अंत में विधानसभा के चुनाव होने हैं। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र में जनता मलिक होती है। भाजपा को लगभग 26 वर्षों के बाद सत्ता हासिल हुई है। उम्मीद है कि लोगों को किए गए वादे पूरे किए जाएंगे और जुमलेबाज़ी नहीं होगी।

राजद नेता से जब यह पूछा गया कि भाजपा और उसके सहयोगी यह दावा कर रहे हैं कि दिल्ली में मिली जीत का फायदा बिहार विधानसभा चुनाव में मिलेगा, उन्होंने कहा, बिहार, बिहार है... हमें यह समझना पडेगा। बिहार में पिछले दो विधानसभा चुनावों में राष्ट्रीय जनता दल सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है। बिहार में राजग का नेतृत्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कर रहे हैं। कुमार 2005 से कुछ समय को छोड़ कर अब तक मुख्यमंत्री पद पर आसीन हैं। कुमार ने एक संक्षिप्त अवधि के लिए राज्य की बागडोर जीतन राम मांझी को सौंप दिया था। कुमार ने इस अवधि में राजद के साथ भी दो बार अल्पकालिक गठबंधन किया था।

दिल्ली चुनाव नतीजा कांग्रेस के लिए दुखद : तारिक

कटिहार/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तारिक अनवर ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजे को पार्टी के लिए ''दुखद'' करार देते हुए रविवार को उम्मीद जताई कि इस हार पर आलाकमान ''आत्ममंथन'' करेगा। कटिहार के सांसद ने लोकसभा क्षेत्र में पत्रकारों से बातचीत के दौरान 70 सदस्यीय दिल्ली विधानसभा में उनकी पार्टी के एक भी सीट नहीं जीत पाने के बारे में पूछे जाने पर कहा, ''यह दुखद है। मुझे यकीन है कि पार्टी आलाकमान इस बात पर आत्ममंथन करेगा कि हम दिल्ली विधानसभा चुनाव में अच्छा प्रदर्शन क्यों नहीं कर सके। कांग्रेस ने डेढ़ दशक तक दिल्ली पर शासन किया था, लेकिन अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी (आप) से उसे करारी शिकस्त मिली थी। उसके बाद आप वहां एक दशक से सत्ता में थी।

दिल्ली विस चुनाव में आप को भाजपा के हाथों बुरी तरह हार का सामना करना पड़ा, वहीं कांग्रेस ने लगातार तीसरी बार एक भी सीट नहीं जीत पायी एवं उसका मत प्रतिशत 10 फीसद से भी कम रहा। भाजपा 26 साल से अधिक समय के बाद दिल्ली में सत्ता में वापस आई है। कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य अनवर से जब यह पूछा गया कि क्या दिल्ली में उनकी पार्टी और आप का एक-दूसरे के खिलाफ लड़ना 'इंडिया' गठबंधन के लिए झटका है, उन्होंने कहा, मुझे ऐसा नहीं लगता। इंडिया गठबंधन का गठन लोकसभा चुनाव में भाजपा का मुकाबला करने के लिए किया गया था। इंडिया गठबंधन के घटक दलों ने कभी यह नहीं कहा कि वे राज्य चुनाव भी अनिवार्य रूप से एक साथ लड़ेंगे।

आप संयोजक आतिशी मार्लेना को हराने की कोशिश कर रहे थे लेकिन खुद हार गए : ठाकुर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। पूर्व केंद्रीय मंत्री और हिमाचल प्रदेश के भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने रविवार को आम आदमी पार्टी (आप) संयोजक अरविंद केजरीवाल पर आरोप लगाया कि वह दिल्ली की निवर्तमान मुख्यमंत्री आतिशी मार्लेना को हराने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन खुद हार गए। उन्होंने यह भी कहा कि आप की अंदरूनी फूट सामने आ गई है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में जीत के बाद आतिशी मार्लेना के डांस वाले 'लीक' वीडियो क्लिप के बारे में पूछे जाने पर अनुराग ठाकुर ने 'पीटीआई-भाषा' और 'पीटीआई वीडियो' से कहा, अरविंद केजरीवाल की राजनीति देखिए, अन्ना हजारे के कंधों पर चढ़कर वह राजनीति में आए, उन्होंने उन्हें ही खत्म कर दिया। केजरीवाल ने अपनी पार्टी बना ली, फिर उन्होंने अपनी पार्टी के संस्थापक सदस्यों को खत्म कर दिया। उन्होंने कहा, अरविंद केजरीवाल की टीम पूरी ताकत से (केजरीवाल सरकार के) मंत्रियों को खत्म करने में लगी थी। (दूसरों को खत्म करते-करते) केजरीवाल खुद खत्म हो गए। ठाकुर ने कहा, आतिशी का नाम चुनाव बैनर, पोस्टर और पूरे चुनाव प्रचार से हटा दिया गया। उन्हें उनके विधानसभा क्षेत्र में हराने की कोशिश की गई और जब ऐसा नहीं हुआ, तो छाती पर नाच हुआ। कहीं न कहीं, आप की अंदरूनी फूट उभर कर सामने आई है। ठाकुर ने कहा कि आतिशी अन्य दिल्लीवासियों की तरह पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व उपमुख्यमंत्री की हार पर अपनी खुशी व्यक्त कर रही थीं। ठाकुर ने कहा, शराब घोटाले का ठीकरा वे सिसोदिया पर फोड़ना चाहते थे, लेकिन हमने तब भी कहा था कि केजरीवाल ही इसके सरगना हैं। अदालत ने उन्हें दंडित किया और वह फिलहाल जमानत पर हैं।

निर्वाचन आयोग सोमवार को मुख्यमंत्री लालदुहोमा के मामले में फैसला करेगा

आइजोल/भाषा। मिजोरम राज्य निर्वाचन आयोग 12 फरवरी को होने वाले ग्राम परिषद चुनावों से पहले आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने के आरोप में मुख्यमंत्री लालदुहोमा को जारी कारण बताओ नोटिस के मामले में सोमवार को फैसला ले सकता है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

राज्य निर्वाचन आयुक्त एच. लालथलांगलियाना ने कहा, मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा, कोलासिब जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा कथित चुनाव आचार संहिता उल्लंघन के बारे में एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की गई है क्योंकि यह घटना सीमावर्ती जिले में हुई थी। छह फरवरी को ये शिकायत विपक्षी मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) द्वारा दर्ज कराई गई थी। एमएनएफ महासचिव जे रोसंगपुइया ने आरोप लगाया है कि लालदुहोमा ने कोलासिब जिले के तुइरियल पश्चिम ब्लॉक के जोरम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) के नेताओं से मुलाकात के दौरान सरकार की नई नीतियों की घोषणा करके आचार संहिता का उल्लंघन किया है।

रायबरेली के पास ट्रेन को पटरी से उतारने की कोशिश नाकाम, जांच शुरु

रायबरेली, (उप्र)/भाषा। रायबरेली में रेलवे स्टेशन के समीप चंपा देवी मंदिर के पास पटरी पर पत्थर रखकर ट्रेन को पटरी से उतारने की कोशिश नाकाम हो गई क्योंकि समय रहते लोको पायलट ने उसे (पत्थर को) देख लिया और आपातकालीन ब्रेक लगा दी। रेलवे अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार मामले की सूचना कोतवाली पुलिस और राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) को दी गई। वरिष्ठ खंडीय अभियंता (सीनियर सेक्शन इंजीनियर) की ओर से कोतवाली पुलिस को तहरीर भी दी गई है।

अधिकारियों के मुताबिक स्टेशन से कुछ दूर चंपा देवी मंदिर के पास रेलवे पुल के ट्रैक पर किसी ने पत्थर रख दिया। रेलवे पुल पर 'गार्ड रेलिंग' और 'रनिंग रेलिंग' के बीच 450 मिमी का मानक अंतर है, जहां शनिवार रात पत्थर रख दिए गए थे। शनिवार रात लखनऊ से आने वाली यशवंतपुर एक्सप्रेस जब करीब पहुंची तो सिग्नल लाल होने के कारण ट्रेन की गति धीमी थी। इस पर यशवंतपुर एक्सप्रेस के लोको पायलट ने रेलवे पटरी पर पत्थर रखे देख लिए।

लोको पायलट ने आपातकालीन ब्रेक लगाकर ट्रेन रोकी और पत्थर हटवाया, उसके बाद गाड़ी आगे बढ़ी। लोको पायलट ने इसकी सूचना नियंत्रण कक्ष को दी। इसके बाद वरिष्ठ खंडीय अभियंता (बछरावां) ने आरपीएफ और नगर कोतवाली पुलिस को इसकी सूचना दी।

गुजरात में मजदूरों पर गिरा ट्रक, एक बच्चे और तीन महिलाओं की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पालनपुर/भाषा। गुजरात के बनासकांठा जिले में रेत से भरा एक डंपर ट्रक पलट कर मजदूरों के एक समूह पर गिर गया, जिससे तीन महिलाओं और एक बच्चे की मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, यह घटना शनिवार शाम जिले के खेंगरपुरा गांव में उस समय हुई, जब वहां सड़क निर्माण का कार्य हो रहा था। मजदूरों का यह समूह सड़क निर्माण के कार्य में जुटा हुआ था।

पुलिस उपाधीक्षक एस.एम. वरोतरिया ने बताया कि डंपर एक संकरे रास्ते से गुजरने की कोशिश कर रहा था, उसी दौरान वह पलट गया तथा सड़क निर्माण कार्य में जुटी तीन महिला मजदूरों के एक समूह पर गिर गया। उन्होंने बताया कि इस घटना में एक बच्चे की भी मौत हो गई। पुलिस उपाधीक्षक ने कहा, मजदूर सड़क के किनारे दीवार के निर्माण के लिए मिट्टी खोद रहे थे, तभी रेत से भरा एक ट्रक लापरवाही से संकरे मोड़ से गुजरने की कोशिश करने लगा। चालक ने ट्रक पर से नियंत्रण खो दिया और ट्रक वहां काम कर रही तीन महिलाओं और खेल रहे एक बच्चे पर गिर गया। अधिकारियों के मुताबिक, क्रेन और बुलडोजर की मदद से ट्रक के नीचे फंसी महिलाओं और बच्चे को बाहर निकालने में करीब दो घंटे का समय लगा।

अधिकारियों ने बताया कि इसके बाद चारों लोगों को सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। थराड के पुलिस निरीक्षक आर आर राठवा ने बताया कि जिस स्थान पर यह दुर्घटना हुई, वहां 10 मजदूर काम कर रहे थे। डंपर चालक को हिरासत में ले लिया गया है और उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है। थराड के सरकारी अस्पताल के चिकित्सा अधिकारी जयदीप त्रिवेदी ने बताया कि चार लोगों को जब अस्पताल लाया गया तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।

'भारत के बाद चैंपियंस ट्रॉफी में न्यूजीलैंड सबसे मजबूत टीमों में से एक'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। महान स्पिनर आर अश्विन ने भारत और न्यूजीलैंड को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए सबसे मजबूत टीमें करार देते हुए कहा कि मुख्य खिलाड़ियों के चोटिल होने के बावजूद ऑस्ट्रेलिया को हल्के में नहीं लिया जा सकता है क्योंकि बड़ी प्रतियोगिताओं में यह टीम अपने खेल के शीर्ष पर होती है। आईसीसी का यह प्रमुख टूर्नामेंट 19 फरवरी को पाकिस्तान में शुरू होगा लेकिन भारत अपने सभी मैच हाइब्रिड मॉडल के तहत दुबई में खेलेगा।

अश्विन ने अपने 'यूट्यूब चैनल' पर कहा, भारत को दुबई में घरेलू माहौल जैसे मैदान पर खेलने का फायदा मिलेगा। भारत का सामना करने वाली टीमों को लगेगा कि वे भारतीय परिस्थितियों में ही खेल रहे हैं। यह निश्चित रूप से अन्य टीमों के लिए एक समस्या है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कई वर्षों के अंतराल के बाद त्रिकोणीय श्रृंखला की वापसी हुई और अश्विन का मानना है कि भारतीय टीम को भी

चैंपियंस ट्रॉफी की बेहतर तैयारी के लिए इंग्लैंड के खिलाफ द्विपक्षीय श्रृंखला के बजाय त्रिकोणीय टूर्नामेंट में खेलना चाहिए था। भारत के इस पूर्व स्पिनर ने कहा, इंग्लैंड के खिलाफ खेलकर क्या चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारत की तैयारी पर्याप्त होगी? क्या हमें त्रिकोणीय श्रृंखला भी खेलनी चाहिए थी? पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका पाकिस्तान की परिस्थितियों में खेल रहे हैं, जिससे उन्हें चैंपियंस ट्रॉफी में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, भारत ने इस बड़े टूर्नामेंट से पहले सिर्फ इंग्लैंड के खिलाफ खेला है। दुबई में पिछली बार टी20 विश्व कप को लेकर हमारे पास सुखद यादें नहीं है। दुबई में टॉस वास्तव में महत्वपूर्ण हो जाता है। मुझे लगता है कि टॉस जीतना महत्वपूर्ण होगा। अश्विन ने कहा कि ट्रेंट बोल्ट और टिम साउदी की गैरमौजूदगी में भी न्यूजीलैंड भारत के लिए मुश्किल चुनौती पेश करेगा। उन्होंने कहा, भारत के बाद, न्यूजीलैंड चैंपियंस ट्रॉफी में सबसे मजबूत टीमों में से एक है। साउदी और बोल्ट जैसे खिलाड़ी नहीं खेल रहे हैं इसलिए उनके गेंदबाजी आक्रमण पर सवालिया निशान है। मैट हेनरी के साथ टीम में कौन होगा? क्या यह विल ओ-राउरकी होंगे, जो अगली पीढ़ी का चैंपियन बनने की क्षमता रखते हैं। क्या यह बेन सीयर्स होंगे?''

सुविचार

कठिन परिस्थितियों में संघर्ष करने पर एक बहुमूल्य संपत्ति विकसित होती हैं जिसका नाम है 'आत्मबल'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

'भरोसे' की कमाई, कैसे गंवाई?

दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी (आप) की हार के संकेत तो पहले ही मिलने लगे थे, लेकिन इतनी करारी हार होगी, इसका अंदाजा कम था। पूर्व मुख्यमंत्री एवं 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल खुद 4,089 वोटों के अंतर से हार गए! यही नहीं, पार्टी के कई वरिष्ठ नेता अपनी सीट गंवा बैठे। जंगपुरा में मामूली अंतर से मनीष सिसोदिया की शिकस्त हुई। मालवीय नगर में सोमनाथ भारती कोई कमाल नहीं दिखा सके। सोशल मीडिया पर 'राजा बनने के तरीके' बताने वाले अवध ओझा को पटपड़गंज की जनता ने फूल मालाएं तो खूब पहनाईं, लेकिन 'जीत का लड्डू' नहीं खिलाया। दशकभर पहले लोकप्रियता की लहर पर सवार होकर दिल्ली की सत्ता में आई 'आप' का यह हाल कैसे हुआ? क्या इसका कोई भविष्य भी है? आगे राह कैसी होगी? वास्तव में दिल्ली की जनता ने इन चुनाव नतीजों से साफ कर दिया है कि 'ईमानदारी' और 'बदलाव की राजनीति' की बातें करने वाले केजरीवाल के दावों पर उसे भरोसा नहीं रहा। लोगों ने अन्ना आंदोलन के कारण उन पर भरोसा किया था, जिसकी कमाई कई 'गलतियां' करते हुए गंवा दी। जनता मुफ्त बिजली-पानी के अलावा सुशासन भी चाहती है, जिसका घोर अभाव दिखा। केजरीवाल सत्ता में आने से पहले 'सादगी' पर बहुत जोर देते थे, लेकिन मुख्यमंत्री आवास से जुड़े खर्चों के कारण उन्होंने भाजपा को आलोचना का मौका दिया। 'शीशमहल' सोशल मीडिया पर छाया रहा, जिसका 'आप' के पास कोई जवाब नहीं था। दिल्ली सरकार की आबकारी नीति ने इस पार्टी और इसके नेतृत्व की छवि को बहुत धूमिल किया। जब मनीष सिसोदिया और अरविंद केजरीवाल जेल गए तो 'आप' इसमें भी सहानुभूति लेने के पैंतरे आजमा रही थी, जबकि जनता के लिए यह उस सुनहरे सपने के टूटने जैसा था, जिसमें भ्रष्टाचार से मुक्त शासन का रेखाचित्र खींचा गया था।

केजरीवाल ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देकर आतिशी को जिम्मेदारी सौंपी थी, जिनके पास विपक्ष के आरोपों का न तो कोई मजबूत जवाब था और न वे जनता के उसी भरोसे को वापस लौटा पाईं, जो पार्टी के पिछले शासन काल में था। वायु प्रदूषण, सड़कों की हालत, कचरे के ढेर, सरकारी कामों में देरी, पानी की किल्लत, यमुना की सफाई जैसे कई मुद्दे थे, जिनको उठाते हुए भाजपा भरपूर हमले बोल रही थी। वहीं, आतिशी के नेतृत्व में 'आप' इन आरोपों के जवाब आरोपों में ही देती रही। जनता के सामने कई समस्याएं थीं, लेकिन 'आप' उनका समाधान नहीं कर सकी। वह वादे तो खूब करती रही, बस यह बताने से बचती रही कि इन्हें पूरा कैसे किया जाएगा! इसका असर कालकाजी सीट के चुनाव नतीजों में देखा जा सकता है। वहां 'मुख्यमंत्री' आतिशी बमुश्किल जीती हैं। इन नतीजों ने 'आप' को तगड़ा झटका दिया है। अब उसे अपनी हार के कारणों का पता लगाकर चिंतन करना चाहिए। भाजपा को भी बहुत सूझबूझ और विनम्रता से काम करना होगा। दिल्ली में वायु प्रदूषण, सड़क, स्वच्छता और पानी की समस्याएं, अपराध नियंत्रण, यमुना की सफाई, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति, भ्रष्टाचार पर अंकुश, अवैध बांग्लादेशियों समेत तमाम घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई, अतिक्रमण, सरकारी कामों में देरी जैसे कई बड़े मुद्दे हैं। भाजपा सरकार को अपने वादे निभाने होंगे। जनता 'डबल इंजन' सरकार से सुशासन चाहती है। भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं को चाहिए कि वे हमेशा जनता के बीच रहें, उससे जुड़े रहें, कोई भी बयान देते समय सोच-समझकर बोलें। उन्हें यह सत्ता जनसेवा के लिए मिली है। मन में कभी अहंकार नहीं आना चाहिए। अपनी कार्यशैली ऐसी रखें कि हर व्यक्ति अपनी बात पहुंचा सके और उसका काम ईमानदारी से हो। भाजपा नेता इस तथ्य को न भूलें कि 'आप' ने दशकभर बाद सत्ता गंवाई है। इस दौरान सत्ताविरोधी लहर का पैदा होना स्वाभाविक है। उसकी सीटों की संख्या में कमी जरूर आई है, लेकिन वह वोट प्रतिशत के मामले में भाजपा से बहुत दूर नहीं है। भाजपा जहां 45.5 प्रतिशत वोट लेकर सत्ता में आई है, वहीं 'आप' को 43.5 प्रतिशत वोट मिले हैं। कुछ सीटों पर भाजपा बहुत मामूली अंतर से जीती है। कई सीटों पर कांग्रेस ने 'आप' के वोटबैंक में अच्छा-खासा बंटवारा कर दिया। उसका खाता तो नहीं खुला, लेकिन उसने 6.3 प्रतिशत वोट हासिल कर लिए। कहीं अन्य पार्टियों और निर्दलीय उम्मीदवारों ने 'आप' का खेल बिगाड़ दिया। इसलिए भाजपा उसे बहुत कमजोर न समझे। 'आप' की ओर से भाजपा को चुनौतियां मिलती रहेंगी।

ट्वीटर टॉक

संसदीय क्षेत्र कोटा में हार्ट वाइज संस्था द्वारा आयोजित वॉक-ओ-रन में कोटावासियों के उत्साह और उमंग को देखकर मन आनंदित हो उठा, मानो पूरा शहर सेहत और ऊर्जा के इस महोत्सव में कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ रहा हो।

-ओम बिरला

प्रयागराज महाकुंभ 2025 में जूना अखाड़ा के महामंडलेश्वर आचार्य श्री अवधेशानंद गिरि जी महाराज एवं जगतगुरु रामानंदाचार्य रामभद्राचार्य जी महाराज का वंदन कर उनका आशीर्वाद एवं प्रेरणादाई मार्गदर्शन प्राप्त किया।

-दीया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

पेरी की सीख

वर्ष 1853 में अमेरिका के कमोडोर पेरी के नेतृत्व में चार भापचलित जहाजों का एक बेड़ा टोकियो की खाड़ी में पहुंचा। वहां पेरी ने जापानियों को देखा कि वे पूरी तरह से अलग-थलग हैं। पेरी ने उनसे कहा कि यदि वे बाहरी दुनिया से व्यापारिक संबंध नहीं बनाएंगे, तो एक दिन वे पूरी तरह से लुप्त हो जाएंगे। पेरी की यह चेतावनी जापानियों के लिए शॉक थी क्योंकि उन्होंने पहले कभी ऐसे भापचलित जहाज नहीं देखे थे। अमेरिका की तकनीकी ताकत देखकर जापानी शोगन को भी बड़ा झटका लगा। कमोडोर पेरी के जाने के बाद, जापान ने अपने बंदरगाह खोल दिए और एक संगठित राष्ट्र बनने की दिशा में कदम बढ़ाए। सामंती व्यवस्था का अंत कर उन्होंने आधुनिकता की ओर कदम बढ़ाए। 19वीं सदी के अंत तक जापान ने एक लिखित संविधान अपनाया और शिक्षा को अनिवार्य किया। कमोडोर पेरी ने जापान की बंद संस्कृति को खोलने के लिए जो दबाव डाला था, जापान ने उसे अपनी पूरी कोशिशों से सफलता में बदला। मात्र 60 साल बाद, पश्चिमी देशों ने जापान को एक प्रमुख शक्ति के रूप में स्वीकार किया। हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु हमलों के बावजूद, जापान ने हार नहीं मानी और आज 21वीं सदी में वह एक प्रमुख वैश्विक शक्ति के रूप में मौजूद है।

सामयिक

धनाढ्यों के विदेश पलायन पर प्रदर्शन क्यों नहीं?

ललित गर्ग

मो.:9811051133

डॉनल्ड ट्रंप के अमेरिका के राष्ट्रपति पद संभालने के बाद सौ से अधिक अवैध भारतीयों के पहले बैच को अपराधियों की तरह अपमानजनक तरीके से भारत भेजा गया है। सितम्बर- 2024 तक सालभर में अवैध रूप से अमेरिका जाने की कोशिश में 90 हजार से अधिक लोग पकड़े गये थे। ये लोग अपनी जीवनभर की कमाई एवं पूंजी को दांव पर लगाकर अमेरिका जैसे देशों में जाने के वैध एवं अवैध तरीके अपनाते हैं, इनका इस तरह देश छोड़कर जाने का कारण समझ में आता है, लेकिन धनाढ्य परिवारों का भारत से पलायन कर विदेशों में बसने का बढ़ता सिलसिला समझ से परे हैं। ऐसे क्या कारण है कि लोगों को देश की बजाय विदेश की धरती रहने, जीने, व्यापार करने, शिक्षा एवं रोजगार के लिये अधिक सुविधाजनक लगती है, नये बनते भारत के लिये यह चिन्तन-मंथन का कारण बनना चाहिए। संसद परिसर में अमेरिका से लौटे अवैध भारतीयों के स्वदेश लौटने की विडम्बनापूर्ण एवं विसंगतिपूर्ण स्थितियों को लेकर व्यापक प्रदर्शन हुए, लेकिन क्या इन बुद्धिमान विपक्षी दलों के सांसदों को कभी धनाढ्यों के भारत छोड़कर जाने एवं इस तरह भारत का अपमान करने की स्थितियों पर भी प्रदर्शन नहीं करना चाहिए?

'हेनले प्राइवेट वेल्थ माइग्रेशन रिपोर्ट' के अनुसार पिछले दो साल से ऐसे लोगों की संख्या औसतन 5,000 रही है। इन अमीरों को आप कभी शिकायत करते नहीं सुनेंगे। ये इतने स्मार्ट हैं कि बिना हौ-हल्ला किये विदेश में जाकर बस जाते हैं। तथ्य यह है कि इनके पास 'सरप्लस' है, और ये भारत में निवेश करने की जगह विदेश का रुख कर रहे हैं। इनमें से कई इसलिए देश छोड़ रहे हैं क्योंकि विदेश में सुरक्षा है और गुमनाम रहने की सुविधा है। इनसे भी जो ज्यादा अमीर हैं, ऐसे करोड़पति, अरबपति और खासकर डॉलर अरबपति कमाई तो भारत में करते हैं और जीते अमेरिका जैसे देशों में है। 'फोर्ब्स' के आंकड़ों के अनुसार ये केवल 200 हैं। करोड़पति अगर चुपचाप देश से जा रहे हैं, तो अरबपति विदेश की धरती से तेज आवाज में सरकार की तारीफ कर रहे हैं और इस तरह के मंत्रों का जाप कर रहे हैं कि 'हमारी अर्थव्यवस्था जल्द ही सबसे बड़ी तीसरी अर्थव्यवस्था बनने जा रही है', कि यह 'दुनिया में सबसे तेजी से वृद्धि दर्ज करा रही विशाल अर्थव्यवस्था है'। प्रश्न है कि इन समृद्ध लोगों का देश की तीसरी अर्थव्यवस्था बनाने में क्या योगदान है? उनका भारत से पलायन क्यों हो रहा है? सरकार इन पर क्या कदम उठा रही है? विपक्षी दल क्यों मौन धारण किये हुए है?

क्या कारण है कि जन्मभूमि को जननी समझने वाला भारतवासी आज अपनी समृद्धि को भोगने या अपनी प्रतिभा का विदेश की चकाचौंध भरी धरती पर उपयोग करने, उन्हें लाभ पहुंचाने विदेश की ओर भागता है और वहां जाकर सम्पन्न एवं भोगवादी जीवन जीने लगता है? क्या कारण है कि शस्य श्यामला भारत भूमि पर अपनी समृद्धि से विकास के नये क्षितिज उद्घाटित करने या अपनी प्रतिभा से देश को लाभान्वित करने की बजाय विदेश की धरती को लाभ पहुंचाते हैं। बड़ा सवाल यह भी उठना स्वाभाविक है कि आखिर क्या कमी है हमारे यहां? यह बात सही है कि गांव से कस्बे, कस्बे से शहर और शहरों से महानगरों में जाकर बसने की मानवीय प्रवृत्ति होती है। इसे विकास से भी जोड़ा जा सकता है। लेकिन जब यह दौड़ बहुत ज्यादा होने लगे और लोग अपनी जड़ें ही छोड़ने को आकुल दिखें तो सोचना जरूरी हो जाता है। मुम्बई, दिल्ली, बेंगलूरु जैसे महानगर दुनिया के दूसरे महानगरों को टक्कर देने वाले हैं। फिर भी अगर ये भारतीय विदेशी महानगरों को ही चुन रहे हैं, तो तमाम पहलुओं पर विचार भी करना होगा। यह इसलिए भी जरूरी है कि यह दौड़ भारतीय महानगरों से विदेशी महानगरों की तरफ ही है। विदेश में बसने की यह दौड ऐसे समय देखने को मिल रही है जब देश में विकास के नये कीर्तिमान स्थापित हो रहे हैं, जीवनशैली उन्नत एवं सुविधापूर्ण होती जा रही है, व्यापार एवं व्यवसाय की संभावनाओं को पंख लग रहे हैं। भारत दुनिया में साख एवं धाक जमा रहा है। दुनिया की नजरें भारत पर लगी है और यहां अनंत संभावनाओं को देखते हुए विदेशी भारत आ रहे हैं। फिर भारतीय विदेशों की ओर क्यों जा रहे हैं।

सशक्त एवं विकसित भारत निर्मित करने, उसे दुनिया की आर्थिक महाशक्ति बनाने और अर्थव्यवस्था की सुनहरी तस्वीर निर्मित करने के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी निरन्तर प्रयास कर रहे हैं। मोदी सरकार ने देश के आर्थिक भविष्य को सुधारने पर ध्यान दिया, उनके अमृत काल का विजन तकनीक संचालित और ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था का निर्माण करना है। मोदी सरकार की नियोजित एवं दूरगामी सोच का ही परिणाम है रिजर्व बैंक के पास सोने के भंडार में लगातार वृद्धि हो रही है। भारत में आर्थिक गतिविधियां नये शिखरों पर सवार है, क्योंकि भारत में डीमैट खाते 19 करोड़ के पार पहुंच चुके हैं। देश के कुल डीमैट खाते अब अन्य देशों की तुलना में नौवें स्थान पर हैं, जिसका मतलब है डीमैट खाते रूस, जापान, इथियोपिया, मैक्सिको जैसे देशों की आबादी से अधिक और बांग्लादेश की आबादी के करीब है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है, जिसमें 1,40,000 से अधिक पंजीकृत स्टार्टअप और हर 20 दिन में एक यूनिकॉर्न उभरता है। यूनिकॉर्न उन स्टार्टअप को कहा जाता है, जिनका मूल्यांकन एक अरब डॉलर हो जाता है।

इन उजले आंकड़ों में जहां मोदी के विजन 'हर हाथ को काम' का संकल्प साकार होता हुआ दिखाई दे रहा है, वहीं 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' का प्रभाव भी स्पष्ट रूप से उजागर हो रहा है। दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर भारत ने अनेक क्षेत्रों में नये कीर्तिमान स्थापित किये हैं। नयी आर्थिक उपलब्धियों एवं फिजाओं के बीच धनाढ्य परिवारों का भारत से पलायन कर विदेशों में बसने का सिलसिला चिन्ताजनक है। पलायनवादी सोच के कगार पर खड़े राष्ट्र को बचाने के लिए राजनीतिज्ञों एवं नीति नियामकों को अपनी संकीर्ण मनोवृत्ति को त्यागना होगा। तभी समृद्ध हो या प्रतिभाशाली व्यक्ति अपने ही देश में सुख, शांति, संतुलन एवं सह-जीवन का अनुभव कर सकेगा और पलायनवादी सोच से बाहर आ सकेगा। करोड़पतियों के देश छोड़कर जाने की 7500 की संख्या भले ही कुछ सुधरी है, लेकिन नये बनते, सशक्त होते एवं आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर भारत के लिये यह चिन्तन का विषय होना ही चाहिए कि किस तरह भारत की समृद्धि एवं भारत की प्रतिभाएं भारत में ही रहे।

भारत के अति समृद्धशालियों की संख्या समूचे विश्व में सर्वाधिक है। भारत के दृष्टिकोण से इस तथ्य का विश्लेषण ज्यादा जरूरी हो जाता है। जानना यह भी जरूरी है कि बचपन से जवानी तक का एक-एक पल देश में गुजारने और यहीं अमीर बनने का सफर तय करने के बाद देश से मोह भंग होने के कारण आखिर क्या हो सकते हैं? उम्मीद यह की जाती है कि देश में रहकर समृद्धि हासिल करने वाले समय आने पर देश को लौटाएंगे भी। सवाल यही है कि देश को लौटाने और फायदा देने का वक्त आता है तब एकाएक विदेश में जाकर बसने की ललक कैसे और क्यों पैदा हो रही है? अपने देश के प्रति जिम्मेदारी निभाने के समय इस तरह की पलायनवादी सोच का उभरना व्यक्तिगत स्वार्थ, सुविधा एवं संकीर्णता को दर्शाता है। दुनियाभर में धन और निवेश प्रवासन के रुझान को ट्रैक करने वाली कंपनी की सालाना रिपोर्ट में अति समृद्ध भारतीयों का अपना सब-कुछ समेट कर हमेशा के लिए भारत से जुदा हो जाने का अनुमान अनेक प्रश्न खड़े करता है, सरकार को इन प्रश्नों पर गौर करने की जरूरत है।

नजरिया

दिल्ली का दिलचस्प राजनीतिक इतिहास

अशोक भाटिया

दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजे आ चुके हैं और राजधानी को अपना अगला मुख्यमंत्री मिलने वाला है। इसी कड़ी में हम आपको दिल्ली के चुनावी इतिहास से जुड़ी कुछ रोचक जानकारियाँ दे रहे हैं, जो शायद आपकी नजरों से अब तक दूर रही हों। दिल्ली दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का दिल है। यहाँ के चुनाव देश के अन्य राज्यों से कई मायनों में अलग होते हैं। सत्ता की खींचतान और जनता की आवाज के बीच दिल्ली का चुनावी सफर हमेशा दिलचस्प रहा है। 1952 में पहली विधानसभा बनने से लेकर अब तक, दिल्ली की राजनीति में कई बड़े बदलाव हुए हैं। खासकर 1956 से 1993 तक, जब दिल्ली की विधानसभा भंग कर इसे केंद्र शासित प्रदेश बना दिया गया था। दिल्ली की राजनीति में कांग्रेस, भाजपा और आम आदमी पार्टी के बाद दोबारा भाजपा ने अपना वर्चस्व स्थापित किया है। आइए, जानते हैं दिल्ली के चुनावी इतिहास की झलक।

1950 में जब संविधान लागू हुआ तो दिल्ली को भाग ग के राज्य में केंद्र शासित प्रदेश के रूप में शामिल किया गया। जहां 48 सदस्यों वाले एक विधानसभा के गठन के लिए संसद में स्टेट एक्ट 1951 पास किया गया। इस एक्ट के तहत देश की संसद के साथ-साथ दिल्ली विधानसभा के लिए भी 1951-52 में 42 सीटों के लिए चुनाव हुए। कांग्रेस ने 39 सीटें हासिल की जबकि जनसंघ जो भाजपा की पूर्व पार्टी है को 5 सीटें मिली, 2 सीटें सोशलिस्ट पार्टी को मिली। 17 मार्च 1952 को कांग्रेस ने 34 साल के ब्रह्म प्रकाश को मुख्यमंत्री बनाया। लेकिन शुरुआत से ही दिल्ली के मुख्यमंत्री को ऑर्डर, जमीन और पुलिस पर कोई अधिकार नहीं दिया गया। दिल्ली के पहले मुख्यमंत्री के समय से चीफ कमिश्नर और अब उपराज्यपाल से जो टकराव है वह आजतक चलता आ रहा है। कई तरह के राजनीतिक टकराव के बाद 12 फरवरी 1955 को ब्रह्म प्रकाश को इस्तीफा देना पड़ा। उनकी जगह पर दरियागंज से विधायक गुरुमुख निहाल सिंह उसी दिन मुख्यमंत्री बने। लेकिन वे भी अपना टर्म पूरा नहीं कर सके और 1 साल 263 दिनों के बाद 1 नवंबर को 1956 को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया।

मुख्यमंत्री और चीफ कमिश्नर के बीच टकराव के मद्देनजर फजल अली के नेतृत्व में राज्य पुनर्गठन आयोग बना जिसने राज्य सरकार की जगह स्थानीय प्रशासन का सुझाव दिया है। इस तरह 1 नवंबर 1956 को दिल्ली को भाग ग के तहत राज्य का दर्जा देने वाली संवैधानिक व्यवस्था को सीज कर दिया गया और दिल्ली में विधानसभा और मुख्यमंत्री के पद को समाप्त कर दिया गया। अब दिल्ली पूरी तरह से राष्ट्रपति के अधीन केंद्र शासित प्रदेश बन गई। जब दिल्ली की जनता में इस फैसले के खिलाफ रोष व्यक्त किया जाने लगा तो एक अन्य कमिटी के सुझाव पर दिल्ली म्युनिसपल कॉरपोरेशन एक्ट 1957 लागू किया गया जिसके तहत दिल्ली में नए सिरे से नगर निगम यानी एमसीडी की स्थापना की गई। हालांकि इससे जनता संतुष्ट नहीं हुई। जनता उसी समय से दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा दिए जाने की मांग करने लगी। इस बात को ध्यान में रखते हुए सहकारिया प्रशासनिक सुधार आयोग के सुझाव पर 1966 में दिल्ली प्रशासनिक एक्ट 1966 लागू किया गया लेकिन इसमें दिल्ली विधान सभा की जगह लेफ्टिनेंट गवर्नर के अधीन एक मेट्रोपॉलिटन काउंसिल का गठन किया गया। इसके पास सिर्फ उपराज्यपाल को सुझाव देने का अधिकार था। उपराज्यपाल के माध्यम से दिल्ली पर तभी से सीधे केंद्र सरकार का कब्जा रहा है।

इस मेट्रोपॉलिटन काउंसिल में 56 सदस्य होते थे जबकि 5 राष्ट्रपति द्वारा सीधे मनोनीत होते थे। मेट्रोपॉलिटन काउंसिल के प्रमुख चीफ एग्जक्यूटिव काउंसिलर होते थे। 1966 से 1967 तक संसद की अनुमति से मीर मुश्ताक अहमद को इसका अंतरिम प्रमुख बनाया गया। 1967 में इसके लिए पहला चुनाव हुआ। इस चुनाव में 33 सीटें जनसंघ को मिली जिसके बाद प्रोफेसर विजय कुमार मल्होत्रा चीफ एग्जक्यूटिव काउंसिलर बने जबकि लाल कृष्ण आडवाणी काउंसिल के चेयरमैन बने। हालांकि 1972 में हुए मेट्रोपॉलिटन काउंसिल के चुनाव में कांग्रेस ने 44 सीटें जीती और राधा रमण को सीईसी बनाया गया। 1977 में जनता पार्टी ने 46 सीटें जीतकर केदार नाथ साहनी को सीईसी बनाया। 1983 में मेट्रोपॉलिटन के आखिरी चुनाव में कांग्रेस ने 34 सीटें जीती और जग प्रवेश चंद्र को सीईसी बनाया।

1990 तक वे ही इस पद पर रहे। संविधान के अनुच्छेद 239 एएए और 1991 कैपिटल टेरेटरी ऑफ दिल्ली एक्ट के तहत विधानसभा में 70 सीटों की व्यवस्था की गई और इसी आधार पर दिल्ली में 1993 में पहला चुनाव हुआ। इस चुनाव में भाजपा ने मदन लाल खुराना, ओपी कोहली और दिग्गज विजय कुमार मल्होत्रा को चुनाव जीताने की जिम्मेदारी दी। 1984 में सिख दंगों की छाया में कांग्रेस पहले से ही इस चुनाव में पिछड़ी हुई थी। भाजपा ने प्रचंड बहुमत हासिल कर 49 सीटों पर कब्जा किया। 2 दिसंबर 1993 को मदन लाल खुराना को नए विधानसभा के गठन के बाद पहली बार मुख्यमंत्री बनाया गया।

मदन लाल खुराना ने मुख्यमंत्री का पद तो हासिल कर लिया लेकिन पार्टी में कई अन्य दिग्गज भी इस पद के लिए अपनी आस लगाए बैठे थे। नतीजा आपसी खींचतान बढ़ गई। फिर 1995 में हवाला केस ने देश के कई दिग्गजों को संकट में डाल दिया जिसमें लाल कृष्ण आडवाणी समेत कई दिग्गज नेताओं के नाम थे। मदन लाल खुराना का भी इसमें नाम था। इस तरह मदन लाल खुराना को इस्तीफा देना पड़ा। 2 दिसंबर 1993 को साहिब सिंह वर्मा दिल्ली के मुख्यमंत्री बने पर साहिब सिंह वर्मा भी पार्टी को सही तरीके से साध नहीं सके। केंद्र में भाजपा सरकार रहते हुए भी दिल्ली की जनता का वे भरोसा नहीं जीत सके। आपसी खींचतान और ज्यादा बढ़ गई। चुनाव में संभावित हार को देखते हुए भाजपा ने चुनाव से कुछ दिन पहले तेज तर्रार नेता सुषमा स्वराज को 12 अक्टूबर 1998 को दिल्ली का पहला महिला मुख्यमंत्री बनाया।चुनाव में सुषमा ने अपना तेवर तो दिखाए लेकिन मंहगाई ने चुनाव में भाजपा को बूरी तरह से पछाड़ दिया। कांग्रेस ने शीला दीक्षित के नेतृत्व में चुनाव लड़ा और ऐसी नींव तैयार कर ली जो आगे 15 सालों तक कायम रहा। 1998 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में शीला दीक्षित के नेतृत्व में कांग्रेस ने 52 सीटों पर कब्जा किया जबकि 1993 में 49 सीटें जीतने वाली भाजपा 15 सीटों पर सिमट गई। 3 दिसंबर 1998 को शीला दीक्षित दिल्ली की दूसरी मुख्यमंत्री बनीं और आगे 15 साल 25 दिनों तक 28 दिसंबर 2008 तक इस पद पर बनी रहीं। इस 15 सालों में दिल्ली में फ्लाई ओवरों का जाल बिछ गया। पहली बार मेट्रो आई। सड़कों की व्यवस्था सुधरी, दमघोंटू डीजल गाड़ी की जगह सीएनजी गाड़ियों को लाया गया। इन कामों का श्रेय आज भी शीला दीक्षित को जाता है। 2003 के चुनाव में कांग्रेस शीला दीक्षित को फिर एक बार आगे किया। उनके खिलाफ बुजुर्ग विजय कुमार मल्होत्रा को भाजपा ने उतारा जबकि पार्टी का एक धरा युवा अरुण जेटली या हर्षवर्धन को उतारने के पक्ष में थे। नतीजा कांग्रेस ने फिर बाजी मारी और 47 सीटों पर कब्जा किया जबकि भाजपा थोड़ा आगे बढ़कर 20 सीटें हासिल की। शीला दीक्षित दूसरी बार मुख्यमंत्री बनी। 2008 के चुनाव में भी शीला दीक्षित के नेतृत्व में ही कांग्रेस ने चुनाव लड़ा और 43 सीटें हासिल की जबकि भाजपा 23 सीटों पर सिमट गई। अब देश की राजनीति में आमूल चूल परिवर्तन आ चुकी थी। 2012 में अन्ना आंदोलन की कोख से एक नए राजनीतिक दल के उदय ने 2013 के चुनाव में शीली दीक्षित को बुरी तरह हरा दिया और 15 साल की सत्ता का अंत हो गया।

केंद्र में कांग्रेस सरकार की बुरी तरह की असफलताओं ने कई आंदोलनों को जन्म दिया जिसमें अन्ना हजारे के नेतृत्व में राजधानी में सबसे बड़े आंदोलन ने आम आदमी पार्टी को जन्म दिया। कांग्रेस के खिलाफ जबर्दस्त लहर के बीच अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी ने 2013 के दिल्ली चुनाव में 28 सीटें हासिल कीं। 32 सीटें हासिल कर भाजपा सबसे बड़ी पार्टी तो बनी लेकिन कांग्रेस की 8 सीटों की मदद से अरविंद केजरीवाल ने सरकार बना लिया। मगर 49 दिनों तक मुख्यमंत्री के पद पर रहने के बाद कांग्रेस पर कई आरोप लगाकर सरकार से इस्तीफा दे दिया। वे 14 फरवरी 2014 तक इस पद पर रहे। उन्होंने देश की राजनीति शुरू की। लेकिन इस समय तक देश में नरेंद्र मोदी ने अपने कद का विस्तार कर लिया था। मई 2014 में लोकसभा चुनाव हुए। अरविंद केजरीवाल की पार्टी ने भी इस चुनाव में किस्मत आजमाया। अरविंद केजरीवाल खुद नरेंद्र मोदी के खिलाफ वाराणसी से उतर गए। हालांकि उन्हें रत्ती भर भी सफलता नहीं मिली। 14 फरवरी 2014 से 13 फरवीर 2015 तक दिल्ली में विधानसभा भंग रही। 2015 में दिल्ली में चुनाव हुए तो केजरीवाल ने प्रचंड बहुमत हासिल किया। 70 सीटों में 67 सीटों पर कब्जा कर लिया। यह दिल्ली के इतिहास की सबसे बड़ी जीत थी। सिर्फ 3 सीटें ही भाजपा जीत सकी। कांग्रेस का खाता भी नहीं खुला। बड़े सपने के साथ अरविंद केजरीवाल 14 फरवरी 2015 को दूसरी बार राज्य के मुख्यमंत्री बने। 2020 के चुनाव में केजरीवाल दोबारा 62 सीटों पर कब्जा जमाया और 16 फरवरी 2020 को तीसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली।

अरविंद केजरीवाल 9 साल 218 दिनों तक लगातार दिल्ली के मुख्यमंत्री रहे। लेकिन शराब घोटालों से घिरी उनकी पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं के जेल जाने से पार्टी की छवि बुरी तरह प्रभावित हुई। उनके सभी बड़े नेता जेल की हवा खा चुके हैं। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को भी अंततः जेल जाना पड़ा। 21 मार्च 2024 को उन्हें तिहाड़ जेल भेज दिया गया लेकिन उन्होंने इस्तीफा नहीं दिया। 13 सितंबर 2014 को पांच महीने के बाद केजरीवाल बेल पर रिहा हुए और 21 सितंबर को उन्होंने पद से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद से दिल्ली में आतिशी मुख्यमंत्री का पद संभाल रही थी जिसे अब भाजपा ने एड़ी छोटी का जोर लगा कर झटक लिया हैं । झटका भी ऐसा कि अरविन्द केजरीवाल सहित आप के कई बड़े नेताओं को हार का मुंह देखना पड़ा।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

खुशी

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी रविवार को चंडीगढ़ में दिल्ली विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत का जश्न मनाने के लिए 'जलेबी' बांटते हुए।

कलम से बंदूकों का मुकाबला: सीआरपीएफ ने नक्सल प्रभावित क्षेत्र में बच्चों के लिए खोले स्कूल

सुकमा/भाषा

छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के चार गांव जो कभी नक्सलियों का गढ़ माने जाते थे, अब वहां बदलाव देखने को मिल रहा है। इन गांवों में बंदूकों की आवाज की जगह अब स्कूल के घंटियों की आवाज गूंज रही हैं। राज्य के इन गांवों में हुए ये बदलाव केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की पहल की बदौलत ही संभव हो पाए हैं।

अधिकारियों ने बताया कि छत्तीसगढ़ में माओवादी रोधी अभियानों में शामिल सीआरपीएफ ने चार गांवों में प्राथमिक बच्चों के लिए स्कूल स्थापित किए हैं। इसका उद्देश्य लोगों के दरवाजे तक शिक्षा पहुंचाना और स्थानीय लोगों को गैरकानूनी सशस्त्र आंदोलन से दूर रखना है।

छत्तीसगढ़ के दुलेड़, मुकराजकोंडा, टेकलगुडियम और पुवर्ती गांवों में 'सीआरपीएफ गुरुकल' स्थापित किए गए हैं। इन गांवों को पिछले साल जनवरी तक नक्सलियों का गढ़ माना जाता था। टेकलगुडियम में पहले सुरक्षाकर्मियों पर जानलेवा हमला हो चुका है जबकि पुवर्ती में खूंखार नक्सली नेता हिडमा का घर है। हिडमा के बारे में माना जाता है कि बस्तर क्षेत्र में सुरक्षाबलों पर हुए कई जानलेवा हमलों में उसका हाथ है। सीआरपीएफ (सुकमा रेंज) के उप महानिरीक्षक आनंद सिंह राजपुरोहित ने फोन पर 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि जिन स्थानों पर कभी लाल सलाम और गोलियों की आवाजें गूंजती थीं, वहां अब स्कूलों की घंटियां और बच्चों की चहचहाट सुनाई देती है। उन्होंने बताया कि इन चार गांवों में कभी नक्सलियों का प्रभाव था, लेकिन पिछले साल जनवरी-फरवरी में वहां सुरक्षा शिविर स्थापित किए जाने के बाद से इन गांवों में विकास होने लगा है। टेकलगुडियम क्षेत्र में तीन अप्रैल, 2021 को हुए माओवादी हमले में 22 सुरक्षाकर्मी मारे गए। टेकलगुडियम में पिछले वर्ष 30 जनवरी को पुलिस शिविर स्थापित किए जाने के दौरान नक्सलियों के साथ मुठभेड़ में सीआरपीएफ के तीन जवान मारे गए थे तथा 15 अन्य घायल हो गए थे।

डीआईजी ने कहा, चूंकि इन गांवों में स्कूल नहीं थे, इसलिए हमने प्राथमिक स्कूल के बच्चों के लिए स्कूल खोलने का निर्णय लिया।

अधिकारी ने बताया कि चारों स्थानों पर पुलिस शिविरों के पास स्कूलों का निर्माण किया गया है। 50 से 60 विद्यार्थियों की क्षमता वाले प्रत्येक स्कूल के लिए एक शिक्षक की नियुक्ति भी की गई है। उन्होंने बताया कि शिक्षकों को मानदेय का भुगतान गृह मंत्रालय द्वारा उपलब्ध कराए गए नागरिक कार्रवाई कार्यक्रम के तहत एक कोष के माध्यम से किया जा रहा है।

तालिबान के खिलाफ अमेरिका की मदद करने वाले अफगानों का भविष्य ट्रंप के कदमों से अंधकारमय

ट्रंप द्वारा जारी किए गए कार्यकारी आदेशों से अफगानों को अमेरिका में सुरक्षा प्रदान करने में मदद करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले कार्यक्रम समाप्त हो गए हैं। अब अमेरिका की मदद करने वाले अफगान असमंजस की स्थिति में हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिराना।तालिबान और इस्लामिक स्टेट के लड़ाकों के खिलाफ अमेरिकी सेना की मदद करने वाले अफगान नागरिकों का भविष्य डोनाल्ड ट्रंप के कदमों की वजह से अंधकारमय नजर आ रहा है। इन लोगों में वे लोग भी शामिल हैं जिन्होंने अमेरिका के सबसे लंबे युद्ध के दौरान अमेरिकी सेना की मदद के लिए चालक और अनुवादक के रूप में काम किया। इन लोगों को खुद को अमेरिका में बसाए जाने की उम्मीद थी, लेकिन अमेरिका में डेमोक्रेटिक पार्टी की हार के बाद रिपब्लिकन ट्रंप के राष्ट्रपति बनने से उनकी उम्मीदों पर पानी फिर गया है। ट्रंप द्वारा जारी किए गए कार्यकारी आदेशों से अफगानों को अमेरिका में सुरक्षा प्रदान करने में मदद करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले कार्यक्रम समाप्त हो गए हैं। अब अमेरिका की मदद करने वाले अफगान असमंजस की स्थिति में हैं।

अमेरिका के नए राष्ट्रपति की कार्रवाई से प्रभावित लोगों में शामिल रौशनगर ने कहा, मैं अब भी सदमे में हूं क्योंकि मैं नरक से बाहर निकलने और सुरक्षित स्थान पर पहुंचने तथा शांति से रहने और एक नई शुरुआत करने के लिए पहले ही चार साल इंतजार कर चुका हूं।

रौशनगर ने अनुरोध किया कि एसोसिएटेड प्रेस केवल उसके पहले नाम का उपयोग करे क्योंकि उसे तालिबान के प्रतिशोध का डर है।

इस तरह के बहुत से अफगान लोग हैं जिन्हें मदद के बदले अमेरिका ने बेहतर जिंदगी देने का वादा किया था लेकिन ट्रंप के कदमों की वजह से अब उनकी स्थिति अंधकारमय नजर आती है।

पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी मैचों की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालेंगे सेना और अर्धसैनिक बल

लाहौर/भाषा। पाकिस्तान सरकार ने देश में आगामी आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी की सुरक्षा बढ़ाने के लिए सैन्य और अर्धसैनिक रेंजरों का उपयोग करने को मंजूरी दे दी है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक संघीय मंत्रिमंडल ने इस बड़े आयोजन के लिए मजबूत सुरक्षा की योजना को मंजूरी दे दी है जिसमें सेना और रेंजरों का उपयोग होगा।

सरकार ने 19 फरवरी से शुरू होने वाले टूर्नामेंट के लिए लाहौर, कराची और रावलपिंडी के मैदानों और टीम होटलों में सुरक्षा प्रदान करने के लिए पहले से ही कमांडो इकाइयों सहित 10,000 से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी देश के गृह मंत्री भी हैं। वह व्यक्तिगत तौर पर टूर्नामेंट के लिए सभी सुरक्षा व्यवस्था की देखरेख कर रहे हैं। भारत ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए टूर्नामेंट के लिए अपनी टीम पाकिस्तान भेजने से इनकार कर दिया था। टीम अपने सभी मैच दुबई में खेलेगी। नकवी ने सुरक्षा और कानून प्रवर्तन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सुरक्षा से समझौता किए बिना मैचों के लिए स्टेडियम में दर्शकों के सुचारू प्रवेश को सुनिश्चित करने के सर्वोत्तम तरीके पर भी चर्चा की।

जीवन धारणाओं को गलत साबित कर देता है: करीना

नई दिल्ली/भाषा। अभिनेता सैफ अली खान पर हमले के कुछ हफ्तों बाद उनकी पत्नी और बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर खान ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि जब हकीकत से सामना होता है तो जीवन सभी सिद्धांतों और धारणाओं को ध्वस्त कर देता है। मुंबई के बांद्रा इलाके में स्थित सैफ के अपार्टमेंट की 12वीं मंजिल पर एक अज्ञात हमलावर ने 16 जनवरी को उन पर कई बार चाकू से हमला किया। हमले के बाद सैफ को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी सर्जरी हुई। उन्हें चार दिन बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी।

करीना ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर एक पोस्ट साझा करते हुए लिखा, आप कभी विवाह, तलाक, बेचैनी, बच्चे का जन्म, किसी प्रियजन की मृत्यु, पालन-पोषण को नहीं समझ सकते, जब तक कि ये वास्तव में आपके साथ न हों। जीवन की परिस्थितियों पर बनाए गए सिद्धांत और धारणाएं वास्तविकता नहीं होतीं। जब तक जिंदगी आपको सबक नहीं सिखा देती तब तक आपको लगता है कि आप सबसे समझदार हैं।

सैफ पर हमले के बाद, करीना ने सोशल मीडिया पर एक बयान जारी कर इसे हमारे परिवार के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण दिन करार दिया था। उन्होंने लिखा था, ...हम अब भी हमारे साथ हुई उस घटना को समझने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे कठिन समय में मैं मीडिया और 'पपराज़ी' (चर्चित हस्तियों की तस्वीर लेने का प्रयास करने वाले स्वतंत्र फोटोग्राफर) से विनम्रतापूर्वक अनुरोध करती हूं कि वे अनावश्यक कवरेज करने से बचें। सैफ ने हमले के बाद पिछले सप्ताह ओटीटी मंच 'नेटफ्लिक्स' के एक कार्यक्रम में पहली बार सार्वजनिक रूप से शिरकत की। इस दौरान उन्होंने कहा, दर्शकों के सामने आकर बहुत अच्छा लग रहा है।

फ्लाइट कैंसिलेशन से यात्री परेशान : जयपुर-बेंगलूरु उड़ान लगातार पांचवें दिन भी रद्द

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर एयरपोर्ट पर बेंगलूरु जाने वाले यात्रियों की परेशानी कम होने का नाम नहीं ले रही। इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट लगातार पांचवें दिन भी आखिरी समय पर रद्द कर दी गई, जिससे पैसेंजर्स को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा। हालांकि, एयरलाइंस ने टिकट बुक करने वाले यात्रियों को रिफंड जारी कर दिया है, लेकिन आखिरी वक्त पर उड़ान रद्द होने से कई लोग अपने निर्धारित समय पर गंतव्य नहीं पहुंच सके।

बेंगलूरु के लिए टिकट बुक कराने वाले रौशन सैनी ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि बार-बार फ्लाइट कैंसिल होने से यात्रियों को मानसिक और आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने सरकार से अपील की कि ऐसी स्थिति पर नियंत्रण पाने के लिए ठोस नियम बनाए जाएं, ताकि पैसेंजर्स को राहत मिल सके। इंडिगो एयरलाइंस के अधिकारियों ने बयान जारी कर कहा कि रोटेशनल ऑपरेशन के कारण फ्लाइट को रद्द किया गया। उन्होंने यात्रियों को आश्वासन दिया कि 11 फरवरी से नियमित उड़ानें संचालित की जाएंगी और भविष्य में सेवाओं में सुधार किया जाएगा। बता दें कि जयपुर से इंडिगो की फ्लाइट 6ए-839 हर दिन सुबह 5:40 बजे बेंगलुरु के लिए उड़ान भरती है और 2 घंटे 20 मिनट में गंतव्य तक पहुंचती है। लेकिन 5 फरवरी से यह सेवा बाधित है, जिससे नियमित यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

एयरलाइंस कंपनियों के लिए कड़े नियम बनाए जाएं ताकि फ्लाइट कैंसिलेशन से होने वाली असुविधा को रोका जा सके। 11 फरवरी से सभी उड़ानें सामान्य होंगी और यात्रियों को बेहतर सेवा देने की कोशिश की जाएगी। अब देखना होगा कि 11 फरवरी से जयपुर-बेंगलुरु फ्लाइट अपने तय शेड्यूल के मुताबिक उड़ान भरती है या यात्रियों को फिर किसी नई परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

फिल्म 'रिश्ते' का फर्स्ट लुक रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार खेसारीलाल यादव और अभिनेत्री रति पांडेय स्टारर एसआरके म्यूजिक प्रा. लि. के बैनर तले बनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रिश्ते' का फर्स्ट लुक रिलीज कर दिया गया है। फिल्म रिश्ते का निर्माण शर्मिला आर. सिंह ने किया है, और इसकी प्रस्तुति रौशन सिंह ने की है। वहीं, फिल्म का निर्देशन प्रेमांशु सिंह ने किया है। फिल्म 14 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म के फर्स्ट लुक पोस्टर में खेसारीलाल यादव बेहद दमदार अवतार में नजर आ रहे हैं। उन्होंने ब्लू कलर का कोट पहना है, जो उनके एक अलग अंदाज को दर्शा रहा है। उनके पीछे चार लोग धोती और सफेद गमछे में नजर आ रहे हैं। फिल्म रिश्ते को लेकर खेसारीलाल यादव ने कहा, रिश्ते की कहानी भावनाओं से भरपूर है और यह दर्शकों के दिलों को छूने वाली है। हम दर्शकों को एक यादगार अनुभव देने की उम्मीद कर रहे हैं। फिल्म में रिश्तों की अहमियत और गहराई को बहुत ही खूबसूरती से दिखाया गया है। मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को यह फिल्म बहुत पसंद आएगी।

निर्माता शर्मिला आर.सिंह ने फिल्म 'रिश्ते' को लेकर अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, हमारी यह फिल्म दर्शकों को भावनात्मक रूप से जोड़ने का काम करेगी। 'रिश्ते' सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि रिश्तों की गहराई और परिवार के महत्व को दर्शाने वाली एक कहानी है। भोजपुरी सिनेमा लगातार आगे बढ़ रहा है, और हम इसे नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस फिल्म में मनोरंजन के साथ-साथ एक गहरी सामाजिक और पारिवारिक संवेदना भी देखने को मिलेगी, जिससे हर दर्शक खुद को जुड़ा हुआ महसूस करेगा। हम पूरी टीम के साथ मिलकर इसे दर्शकों के लिए एक यादगार अनुभव बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

रौशन सिंह ने बताया कि फिल्म का कंटेंट, संगीत, लोकेशन और प्रस्तुति सभी दर्शकों को एक नई अनुभूति देने वाले हैं। उन्होंने दर्शकों से अपील की कि वे 14 मार्च को सिनेमाघरों में आकर इस फिल्म का आनंद जरूर लें।

फिल्म रिश्ते में खेसारीलाल यादव और रति पांडेय के साथ आकांक्षा पुरी, विनोद मिश्रा, समर्थ चतुर्वेदी, सुजान सिंह,संजीव मिश्रा, युगांत पाण्डेय, माया यादव,सोनू पाण्डेय, निशा झा, रंभा सहनी, जया पाण्डेय, प्रियांशु सिंह, विजया लक्ष्मी सिंह, दिलीप यादव भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म के संगीतकार ओम झा, छोटे बाबा और कृष्णा बेदर्दी हैं। वहीं, डीओपी (कैमरा डायरेक्टर) बासु ने फिल्म को बेहतरीन तरीके से शूट किया है।

मैराथन

-कोलकाता में कोलकाता पुलिस द्वारा आयोजित हाफ मैराथन में भाग लेते प्रतिभागी।

साान्या मल्होत्रा की 'मिसेज' ने मचाई हलचल

मुंबई/एजेन्सी

सान्या मल्होत्रा की बहुप्रतीक्षित फिल्म मिसेज को दर्शकों और आलोचकों से अपार प्यार मिल रहा है। यह फिल्म, जो एक मजबूत सामाजिक कहानी को उजागर करती है, सान्या को न्यूयॉर्क इंडियन फिल्म फेस्टिवल में बेस्ट एक्ट्रेस का पुरस्कार दिलवा चुकी है और मेलबर्न इंडियन फिल्म फेस्टिवल गोवा में रिलीज से पहले स्टैंडिंग ओवेशन प्राप्त कर चुकी है। अपनी प्रभावशाली कहानी और सान्या की करियर-परिभाषित परफॉर्मेंस के साथ,मिसेज ने रिलीज के बाद सोशल मीडिया पर चर्चाओं का सिलसिला शुरू कर दिया है। प्रशंसा की जा रही है कि उन्होंने रिचा के किरदार को गहराई और प्रामाणिकता के साथ बखूबी निभाया है। मिसेज देखने से पहले, ये 9 ट्विटर प्रतिक्रियाएं पढ़ें, जो यह बताती हैं कि क्यों यह फिल्म देखना अनिवार्य है! एक ट्वीट ने सराहते हुए लिखा, सान्या मल्होत्रा मिसेज के हर फ्रेम में राज करती हैं, और एक करियर-परिभाषित परफॉर्मेंस देती हैं! वह रिचा को गहराई और विश्वास के साथ व्यक्त करती हैं, यह साबित करते हुए कि वह शक्तिशाली भूमिकाओं के लिए एकदम सही लीड हैं। एक अन्य ट्वीट में कहा, मिसेज एक प्यारी फिल्म है। सान्या ने खूबसूरत परफॉर्मेंस दी है। वह रिचा के सफर का पूरा मालिकाना हक लेती हैं, एक गहरे और अविस्मरणीय अभिनय को प्रदर्शित करती हैं। सान्या मल्होत्रा को ऐसी भूमिकाएं और करनी चाहिए।

एक पोस्ट में लिखा था, कुछ भूमिकाएं करियर को परिभाषित करती हैं, और सान्या मल्होत्रा के लिए मिसेज वह पल है। एक शक्तिशाली लीड एक ऐसी कहानी में जो मायने रखती है! एक ट्वीट में दावा किया गया, मिसेज सान्या मल्होत्रा की अद्वितीय अभिनय क्षमता का एक और प्रमाण है। वह स्क्रीन पर पूरी तरह से राज करती हैं, एक ऐसी भूमिका के साथ जो इतनी गहराई से जुड़ी हुई है, कि यह वास्तविक महसूस होती है। उनकी अब तक की सबसे मजबूत परफॉर्मेंस में से एक! एक समीक्षा में कहा गया, शक्ति, गहराई, और प्योर मैजिक सान्या मल्होत्रा मिसेज को बिना किसी कठिनाई के शानदार तरीके से लेकर चलती हैं। एक सच्ची लीडिंग पॉवर!

ट्वीट में कहा गया, ऐसी फिल्म को अपनी धुरी में एक मजबूत प्रदर्शनकर्ता की जरूरत होती है, और सान्या मल्होत्रा ने उम्मीदों से कहीं अधिक दिया! एक शानदार चित्रण, जो उन्हें एक पावरहाउस टैलेंट के रूप में स्थापित करता है। एक और समीक्षा में कहा गया, हाल के समय में सबसे आकर्षक प्रदर्शन! सान्या मल्होत्रा मिसेज में एक पॉवर हैं जिनका सम्मान किया जाना चाहिए। बॉलीवुड, ध्यान दोवह यहां अपनी छाप छोड़ने आई हैं!

ट्वीट में कहा गया, सान्या मल्होत्रा मिसेज को सिर्फ एक फिल्म नहीं बनातीयह एक उदाहरण है कि एक सच्चा लीड स्क्रीन पर क्या ला सकता है! एक अभिनेता जो अपने काम को शब्दों से ज़्यादा जोर से बोलने देता है! सान्या मल्होत्रा मिसेज में एक शानदार परफॉर्मेंस देती हैंसूक्ष्म, शक्तिशाली और अविस्मरणीय। सान्या मल्होत्रा ने 'रिचा' के लीड रोल में शानदार अभिनय किया है, जो एक गृहिणी और शास्त्रीय डांसर है, जो विवाह के बाद जीवन का सामना करती है।

जयाप्रदा ने बेटे संग लगाई आस्था की डुबकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभ नगर। प्रयागराज में महाकुंभ 2025 का भव्य आयोजन जारी है और इसमें श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ रही है। अभिनेत्री और पूर्व सांसद जया प्रदा ने रविवार को अपने बेटे संग त्रिवेणी संगम में पावन डुबकी लगाई। उन्होंने महाकुंभ मेले में पहुंचकर अपनी खुशी जाहिर की और केंद्र एवं राज्य सरकार की व्यवस्थाओं की सराहना की। जया प्रदा ने कहा, मैं बहुत खुश हूं।

लाखों श्रद्धालु जिस भक्ति और श्रद्धा के साथ त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाने आ रहे हैं, वह देखने लायक है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ करते हुए कहा, सरकार ने जिस तरह से सभी भक्तों के लिए शानदार व्यवस्था की हैं, वह काबिल-ए-तारीफ है।

महाकुंभ 2025 में सुरक्षा, सफाई, परिवहन और अन्य सुविधाओं को लेकर इस बार विशेष ध्यान दिया गया है। राज्य सरकार द्वारा जगह-जगह कैंप, स्वास्थ्य सुविधाएं, सुरक्षा बलों की तैनाती और ट्रैफिक प्रबंधन के इंतजाम किए गए हैं, जिससे श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो। महाकुंभ के आयोजन को लेकर देश ही नहीं, बल्कि विदेशों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रयागराज आ रहे हैं। इसमें फिल्मी सितारों की साथ ही राजनीति से जुड़े लोगों की भी बड़ी संख्या है।

इससे पहले बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव, अभिनेत्री नीना गुप्ता और अभिनेता संजय मिश्रा ने महाकुंभ में पवित्र त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाई। सभी कलाकारों ने इस भव्य आयोजन की प्रशंसा की और यहां के माहौल को अविस्मरणीय बताया था। बता दें कि महाकुंभ 2025 में अमृत स्नान पर्वों के बाद भी संगम स्नान करने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ भारी संख्या में प्रयागराज पहुंच रही है।

महाकुंभ की शुरुआत हुए 26 दिन हो चुके हैं, अब तक महाकुंभ में 42 करोड़ से अधिक श्रद्धालु पवित्र संगम में स्नान कर चुके हैं। इसके बाद भी प्रतिदिन महाकुंभ में देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ती ही जा रही है।

श्रद्धा कपूर ने दी सलाह, एंगल बदलो, रंग नहीं

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर ने सोशल मीडिया पर लोगों को छोटी और प्यारी सी सलाह दी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर दिलचस्प तस्वीर और पोस्ट को शेयर किया है। श्रद्धा ने इंस्टाग्राम पर अपनी दो तस्वीरें पोस्ट की। इन तस्वीरों में से एक सेल्फी के रूप में है, जबकि दूसरी तस्वीर में वह अपने पालतू डॉग्स के साथ मस्ती करती कैमरे में कैद हुईं। तस्वीरों को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, एंगल बदलो, रंग नहीं। पिछले महीने श्रद्धा कपूर ने एक पोस्ट शेयर करते हुए प्रशंसकों को वेलेंटाइन डे गिफ्ट के लिए एक बेहतरीन आइडिया सुझाया था। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए बताया था, हर कोई वेलेंटाइन डे पर कुछ खास करना चाहता है, हम दीपावली, रक्षा बंधन, यहां तक कि बोर्ड के नतीजों के बाद भी तोहफे देते हैं। वेलेंटाइन डे पर हम एक अच्छा सा ब्रेसलेट क्यों नहीं दे सकते? श्रद्धा ने आगे लिखा, आप कोई भी ऐसी चीज तोहफे में दे सकते हैं, जिसका इस्तेमाल रोजाना किया जा सके। बस कुछ भी उपहार दें। मैं आपसे कुछ खरीदने के लिए अपना घर गिरवी रखने के लिए नहीं कह रही हूं। श्रद्धा कपूर ने अपने इंस्टा पोस्ट को कैप्शन दिया था, वेलेंटाइन पर तोहफे दो दिल से। इससे पहले श्रद्धा कपूर ने एक पोस्ट में बताया था कि वह इंस्टाग्राम ज्यादा क्यों नहीं इस्तेमाल करती हैं। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन में अपनी एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह पढ़ रही हैं। वहीं, अभिनेत्री श्रद्धा कपूर को आईफा में सर्वश्रेष्ठ मुख्य भूमिका (महिला) पुरस्कार के लिए नॉमिनेट किया गया है। अभिनेत्री को आलिया भट्ट, कैटरीना कैफ, यामी गौतम, नितांशी गोयल जैसे नामों के साथ नॉमिनेट किया गया है। श्रद्धा कपूर के वर्कफ्रंट की बात करें तो उनके पास 'धूम' फ्रेंचाइजी की फिल्म है, जिसमें वह अभिनेता रणबीर कपूर के साथ नजर आएंगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | सोमवार | 10-02-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

ज्ञानयोग, ध्यानयोग, तपयोग आदि कठिन हैं। भगवान की भक्ति में मन को एकाग्र कर मुक्ति का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है। भगवान के प्रति अनन्य प्रीति और समर्पण की भूमिका भक्ति को सार्थक करती है। जैनदर्शन में वर्णित भगवान का स्वरूप समझने जैसा है। जो सर्वदोषों से रहित, राग-द्वेष मुक्त आत्मा हो, सिर्फ उन्हीं को जैनदर्शन में भगवान माना जाता है। ऐसे परमात्मा की निष्काम भक्ति ही आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करती है। इसलिए जैनदर्शन के अनुसार भगवान और देवी-देवता में मौलिक अंतर है। यहां भगवान का स्थान सर्वोपरि है।

चोरड़िया जैन नर्सरी स्कूल में मनाया वार्षिकोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के साहुकारपेट के नम्मलवार स्ट्रीट स्थित मांगीकंवर अनराज चोरड़िया जैन नर्सरी एवं प्राइमरी विद्यालय और एसएस जैन महिला विद्या संघ द्वारा संचालित केन प्ले स्कूल ने 9 फरवरी को जैन भवन में अपना 72वां वार्षिकोत्सव मनाया। समारोह में उपस्थित सभी अतिथिगणों का नन्हे मुन्ने बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम से स्वागत किया।

मुख्यअतिथि के रूप में सॉफ्टवेयर लीड कंसल्टेंट एंड एज्युकेशनिस्ट डॉ. आलर नागराजन और सम्मानीय अतिथि के रूप में मेरु कंसल्टिंग के निदेशक पी. दुरैस्वामी, स्ट्रेटेजिक प्लानिंग विशेषज्ञ ऋषभ बोहरा उपस्थित थे। सभी अतिथियों का स्वागत विद्यालय के अध्यक्ष महावीरचन्द रांका ने किया। विद्यालय के महासचिव रंजीत बाफना ने मुख्य अतिथि का परिचय दिया और कार्यकारिणी सदस्य वर्षा बोहरा एवं निशा सिसोदिया ने सम्माननीय अतिथिगण का परिचय दिया।

विद्यालय की प्रधानाध्यापिका आर. श्यामला चंद्र मोहन ने चित्रांगण द्वारा वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत किया। रंगारंग कार्यक्रम में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें हास्य , राजस्थानी , गोवा , गरबा , तमिल आदि नृत्य तथा मधुर आवाज में जय श्री राम और महाभारत का गीत प्रस्तुत कर, भारत की विशाल संस्कृति का भव्य प्रदर्शन किया गया। बच्चों ने अन्न की महत्वत्ता पर एक शानदार नाटक का मंचन भी किया। मुख्य अतिथियों द्वारा विद्यायल के उत्कृष्ट विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में संघ के अध्यक्ष रिखबचंद लोढा, कोषाध्यक्ष ललित कटारिया, जतनमल नाहर, महावीर बोहरा, शांतिलाल लुकंड, देवेंद्र बेतला, कमल खाबिया, निर्मला लोढ़ा, भावना नाहर, दिलीप बोहरा, संजय खाबिया सहित संघ के अनेक सदस्य उपस्थित थे। सह सचिव मोनिका बेताला ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

पदभार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कर्नाटक मूल के आईएएस अधिकारी पवनकुमार गिरियप्पनवर ने कोयम्बटूर के नए कलेक्टर के रूप में पदभार संभाला। उन्होंने कांतिकुमार से पदभार ग्रहण किया। वर्ष 2016 के आईएएस बैच से संबंधित हैं।

स्तन कैंसर जागरूकता शिविर में 55 महिलाओं ने भाग लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सेलम। बीजेएस फाउन्डेशन परियोजना कैंसर दिवस के मौके पर भारतीय जैन संघटना और जैन मिशन चेरिटेबल ट्रस्ट सेलम ने महिलाओं के लिए एक सेर्विकल और स्तन कैंसर हेल्थ अवेयरनेस कैंप का आयोजन किया। इस शिविर में मजूमदार शॉ कैंसर सेन्टर के प्रमुख महिला रोग विशेष डॉ. भारती ने परामर्श दिया और पैप स्मीयर टेस्ट किया। इस परियोजना को निकेश और पिंकी प्रमुख थे। 55 महिलाओं ने पंजीकरण कराया जिनमें 34 ने पैप स्मीयर टेस्ट कराया। कार्यक्रम का आयोजन शेवापेट के महावीर डिस्पेंसरी में किया गया। कार्यक्रम की मेजबानी रेखा परमार ने किया। बीजेएस अध्यक्ष अनिल पींचा ने सभा का स्वागत किया। बीजेएस महिला अध्यक्ष पिंकी गुजर ने डॉ. भारती का सम्मान किया। ट्रस्ट के अध्यक्ष शांतिलाल तालावत ने बीजेएस को इस अवसर के लिए धन्यवाद दिया। अंत में बीजेएस के तरुणा शाह ने धन्यवाद भाषण दिया।

दो दिवसीय 'संगत-पंगत : एकता में समरसता' कार्यक्रम 14 फरवरी से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। प्रति वर्ष की भाँति गुरु नानक एजुकेशनल सोसाइटी इस वर्ष भी 'गुरु शिक्षा', अंतर-विद्यालयीन एवं अंतर-महाविद्यालयीन प्रतियोगिताओं का आयोजन भव्य स्तर पर कर रहा है। इस वर्ष गुरु शिक्षा 2025 का विषय संगत और पंगत है। आयोजन 14-15 फरवरी को वेलाचेरी के गुरु नानक महाविद्यालय (स्वायत्तशासी) एवं गुरु नानक मेट्रिक्युलेशन हायर सेकन्डेरी विद्यालय में किया जाएगा।

कक्षा 1 से 8, कक्षा 9 से 12 और कॉलेज के छात्रों के लिए अलग-अलग श्रेणियों में भाषण, निबंध लेखन और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएंगी। प्रतियोगिताएँ तीन भाषा तमिल, हिंदी और अंग्रेजी में होगी। इन प्रतिगोगीताओं के विजेताओं को नकद धनराशि, ट्रॉफी एवं प्रमाणपत्र दिया जाएगा।

गुरु शिक्षा का उद्देश्य युवा पीढ़ी को सिख धर्म के आध्यात्मिक सार से परिचित कराना, जागरूकता बढ़ाना, मूल्य निर्माण करना और सिख और तमिल समुदायों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान करना है। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए पंजीकरण निःशुल्क है और यह प्रतियोगिता पूरे छात्र समुदाय के लिए खुली है।

प्रतियोगिताओं का पहला चरण स्कूल और कॉलेज परिसर में आयोजित किया जाएगा और अंतिम चरण गुरु नानक महाविद्यालय के बाबा दीप सिंह ऑडिटोरियम में होगा। ऑनलाइन और स्पॉट रजिस्ट्रेशन उपलब्ध हैं।

'भोगों में आसक्त व्यक्ति संसार रूपी दावानल में जलते हैं'

मुमुक्षु संतोष की दीक्षा महोत्सव शोभायात्रा में गूंजे संयम के जयकारे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ विल्सनगार्डन के तत्वावधान में उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी आदि साधु साध्वियों के सान्निध्य में मुमुक्षु संतोषकुमारी कर्नावट के जैन भागवती दीक्षा महोत्सव के चौथे दिन सुबह दीक्षार्थी की शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा के लाभार्थी जितेंद्रकुमार विनोदकुमार धोका परिवार ने मुमुक्षु संतोषकुमारी कर्नावट के यशस्वी संयमी जीवन की मंगलकामनाएं की। हीरालाल मनोहरलाल शांतिलाल प्रकाशचंद्र लुणावत के निवास से शोभायात्रा प्रारंभ हुई। सुदर्शनकुमार सुरेशकुमार मांडोत परिवार ने शोभायात्रा के मध्य श्रद्धालुओं का सत्कार किया और प्रकाशचंद खिंवसरा परिवार की ओर से प्रभावना भेंट की गई। शोभायात्रा गणेश बाग के प्रांगण में पहुंचने पर श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन सेवक संघ विल्सन गार्डन के चेयरमैन मीठालाल मकाणा, अध्यक्ष नेमीचंद भंसाली, मंत्री सज्जन बोहरा, कोषाध्यक्ष उत्तमचंद पिछोलिया, संयोजक माणकचंद बोहरा आदि संघ के पदाधिकारियों एवं राजुल महिला मंडल, विल्सनगार्डन जैन युवा संगठन, प्रेरणा बहू मंडल ने मुमुक्षु की अगवानी की।

इस मौके पर धर्म सभा में उपप्रवर्तक नरेश मुनिजी ने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि यह संसार विषय वासना की लपटों से जल रहा है इसे जलता हुआ देखकर जो सज्जन संयम के मार्ग पर आगे बढ़ जाते हैं वह साधना द्वारा संसार सागर से पार हो जाते हैं, और जो संसार के भोगों में आसक्त बने रहते हैं वह अनंत काल तक संसार के जन्म मरण के परिभ्रमण में भटकते रहते हैं। शालिभद्र मुनिजी ने कहा कि संसार में लोग दिखावे की जिंदगी जी रहे हैं लेकिन सांसारिक भोगोपभोग सुख के आभास मात्र है इनके पीछे दुख छुपा हुआ है। मुख्य संतोष कुमारी ने इस देश में में आसक्त मक्षिका जैसा नहीं बनकर, मिश्री के ऊपर रही हुई मक्षिका के समान संसार के काम भोगों का त्याग कर संयम का मार्ग अपनाया है जो अनुमोदनीय है, अभिनंदनीय है। साध्वी ऋशिताश्री ने हरपल हर परिस्थिति में मुस्कुराते रहने का प्रेरक संदेश देते हुए कहा कि साधक का हर एक के प्रति दृष्टिकोण, समीक्षा एवं साक्षात्कार सम्यक होना चाहिए अच्छा होना चाहिए। साध्वी मेघाश्री ने कहा कि वृद्धावस्था में ली हुई दीक्षा चांदी के समान युवा अवस्था में दी हुई दीक्षा स्वर्ण के समान एवं किशोरावस्था में ली हुई दीक्षा हीरे के समान होती है। साधक की पांच कसोटियां तत्वज्ञान, मुमुक्षु भाव, गुरु की आज्ञा पालन, कष्ट सहिष्णुता एवं सेवा की भावना पर पूरे खरे उतरना। साध्वी आगमश्रीजी ने कहा कि तीर्थंकर भगवान की आज्ञा का पालन, संयमी जीवन के नियमों का अनुशासनपूर्वक पालन एवं गुरुजनों, गुणीजनों का विनय मोक्ष मार्ग के साधक का सर्वोपरि कर्तव्य है। समारोह में बसंतमुनिजी, साध्वी चंदनप्रभाश्रीजी, उप प्रवर्तिनी सुधाकंवरश्रीजी, उप प्रवर्तिनी डॉ दर्शनप्रभाश्रीजी, डॉ प्रतिभाश्रीजी, सुप्रभाश्रीजी, पुनीतज्योतिश्रीजी आदि की भी निश्रा प्राप्त हुई।

प्रचार प्रसार संयोजक प्रकाश चंद बाफना ने ने जानकारी दी कि इस अवसर पर श्री श्वेतांबर स्थानकवासी बावीस संप्रदाय जैन संघ ट्रस्ट गणेशबाग की ओर से लालचंद मांडोत, संपतराज कोठारी, प्रकाशचंद मांडोत एवं महिला मंडल ने चुंदड़ी एवं खोल भरकर मुमुक्षु का सम्मान किया। कार्यक्रम का संचालन गौतमचंद ओस्तवाल ने किया।

जांगिड़ समाज के विश्वकर्मा भवन में हुआ प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का सम्मान

भजन संध्या में बोले गए विभिन्न चढ़ावें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जांगिड़ समाज ट्रस्ट कर्नाटक के तत्वावधान में टेंक बंड रोड स्थित विश्वकर्मा भवन में दो दिवसीय भगवान श्री विश्वकर्मा जयंती समारोह का शुभारंभ सुबह मंदिर में दीप व पूजा से हुआ। दोपहर में समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान किया गया तथा उन्हें प्रोत्साहित किया गया। कार्यवाहक अध्यक्ष पोलाराम बुढल ने सभी का स्वागत किया।

शाम का भजन व चढ़ावें बोले गए जिसमें बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित थे। कमेटी ने वार्षिक गतिविधियों का ब्यौरा पेश किया। सोमवार को सुबह 5.15 बजे हवन, अभिषेक होंगे। सुबह 6.15 बजे ध्वजा लाभार्थी गुगरिया परिवार द्वारा मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण होगा। ध्वजारोहण के बाद मंदिर में जनेऊ, पोषाक, तिलक, माला, आरती व गुलाल विधि होगी।

भौतिकता और आध्यात्म के निर्णायक मोड़ पर खड़ी है मानवजाति : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

आज पार्श्वनाथ मंदिर की सैंतीसवीं वर्षगांठ का उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भद्रावती। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी और गणि पद्मविमलसागरजी आदि श्रमण समुदाय के सान्निध्य में रविवार को पार्श्वनाथ जिनालय में सिद्धचक्र महामंडल विधान का आयोजन हुआ जिसमें अनेक गांवों-शहरों के सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित थे। अरिहंत, सिद्ध, आचार्य, उपाध्याय, साधु, सम्यकदर्शन, सम्यकज्ञान, सम्यकचारित्र तथा तप पद की विस्तार से पूजा-अर्चना कर मंत्रजाप किए गए। तत्पश्चात गुरुपदुका, अड़तालीस लब्धिपद, नवग्रह, वास्तुदेवता और तीर्थंकरों के देव-देवियों की पूजा हुई। जैन मंदिर की सालगिरह के उपलक्ष्य में त्रिदिवसीय महोत्सव के अंतर्गत यहां अनेक आयोजन किए गए है।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वर ने नवपद की महिमा का विस्तार से वर्णन करते हुए बताया वर्तमान युग अध्यात्म और भौतिकता के बीच का गहरा संघर्ष है। अगर यहां अध्यात्म हारता है तो कोरी भौतिकता के भरोसे संसार को जिलाना असंभव होगा। भौतिकता की पराकाष्ठा मनुष्यजाति को पागल बना देगी। आने वाले पच्चीस-पचास वर्ष इस दृष्टि से अत्यधिक महत्वपूर्ण है। मानवजाति निर्णायक मोड़ पर खड़ी हैं। या तो आध्यत्म जीतेगा और हम सब बचेंगे, अन्यथा भौतिकवादी मानसिकता के चलते करीब-करीब सब-कुछ तबाह हो जाएगा । जैनाचार्य ने बताया कि अरिहंत की पूजा और साधना आध्यात्मिक उन्नति का महत्वपूर्ण कारक तत्व है। यह भोग-उपभोग और साधन-सामग्रियों की याचक मनोवृत्ति एवं विकृति से परे हटकर, प्रकृति और संस्कृति की शुद्ध साधना हैं। भौतिकता से ओतप्रोत इस युग में मानसिक शांति और संतोष के लिये अरिहंत तत्व की साधना करनी चाहिए। रात्रिकालीन ज्ञानसत्र में गणि पद्मविमलसागरजी ने बताया कि मित्रों का जीवन पर गहरा प्रभाव होता है, इसलिए यह आवश्यक है कि हम अच्छे मित्रों की खोज करें। जैन संघ के अध्यक्ष रतनचंद लूणिया ने सोमवार के कार्यक्रमों की जानकारी दी।

जेवाईएस ने आयोजित की जैन समाज की संघ संस्थाओं की बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। आगामी 10 अप्रैल को आयोजित होने वाले प्रभु महावीर के 2624वें जन्म कल्याणक महोत्सव के संबंध में जैन युवा संगठन(जेवाईएस) द्वारा विभिन्न जैन समाज, सभा व संस्थाओं की बैठक आयोजित की गई। अध्यक्ष महावीर मुणोत द्वारा संघ के आगामी कार्यक्रम की जानकारी देते हुए सभी का स्वागत किया गया। मंत्री नीरज कटारिया ने संघ की गतिविधियों की विस्तृत जानकारी देते हुए सभी संघ संस्थाओं को आयोजन में सहभागी बनने का निवेदन किया। सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष सुरेश धोका द्वारा सेवा ट्रस्ट की जानकारी दी गई। व्यवस्था समिति के सभी विभागों के चेयरमैन की घोषणा करते हुए उनके कार्यों को वितरण किया गया। स्मृति चिन्ह चेयरमैन अभिषेक बोहरा द्वारा आगामी स्मृति चिन्ह की जानकारी दी तथा उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों द्वारा स्मृति चिन्ह का विमोचन किया । संघ संस्था को-चेयरमैन प्रमोद खाब्या ने बताया कि इस बार जन्मकल्याणक हेतु लगभग 125 संस्थाओं द्वारा आवेदन प्राप्त हुआ है।

चिकपेट जैन मंदिर के अध्यक्ष गौतम सोलंकी ने संगठन के कार्यों की सराहना की। जैन कॉन्फ्रेंस के प्रतिनिधि व तेरापंथ सभा गांधीनगर के उपाध्यक्ष विनय बैद ने हर संभव सहयोग देने की सहमति जताई। दिगंबर जैन समाज के सहमंत्री प्रशांत ने भी संगठन की सहयोग की बात कही। जन्मकल्याणक वर्धमान प्रसादी के सहयोगी विमल कटारिया ने बताया कि इस वर्ष का स्मृति चिन्ह अत्यंत ज्ञानवर्धक और रोचक बनाया गया है। आभार ज्ञापन सहमंत्री सुश्रुत चेलावत ने किया। कार्यक्रम का संचालन पूर्व अध्यक्ष दिनेश खिवेसरा एवं पूर्व मंत्री मदन मुणोत ने किया।

उत्तराखंड महासंघ का होली महोत्सव 'वो रंगीलो पहाड़' 9 मार्च को

बेंगलूरु। शहर के उत्तराखंड महासंघ के तत्वाधवान में आगामी 9 मार्च को केआर पुरम स्थित आईटीआई ग्राउंड पर 'वो रंगीलो पहाड़' नामक उत्तराखंड का होली महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन में उतराखंड के सुप्रसिद्ध लोकगायक इन्द्र आर्या,रोहित चौहान, पूनम सती और शाश्वत पंडित अपने गायकी से समां बांधेंगे। महासंघ गत 7 वर्ष से शहर में यह आयोजन करता आरहा है। इस बार गायन के साथ विशेष आकर्षण के रुप में ढोल दमाओ की पूरी टीम, उत्तराखंड की सुप्रसिद्ध मिठाई बाल मिठाई एवं सिंगोड़ी जंगोर की खीर, उत्तराखंड परिधान आदि शामिल है। महासंघ के संस्थापक पंडित हेमचन्द्र जोशी ने सभी पहाड़ी परिवारों से इस आयोजन में शामिल होने का निवेदन किया है ।

'शरीर केवल साधन मात्र जो पुण्योदय से मिलता है'

बेंगलूरु। शहर के ईटा जैन स्थानक मागड़ी रोड में विराजित श्री शिविराचार्य विनयमुनिजी खींचन ने प्रवचन सभा में कहा कि जिससे जीया जाता है, वह जीवन सभी जीवों को प्रिय है। आत्मा के दो प्रकार होते है। पहली शरीर धारी आत्मा होती है जो शरीर को छोडना नहीं चाहती है, दूसरी अशरीरधारी आत्मा, जो शरीर को धारण करना ही नहीं चाहती है। शरीर एक साधन है जो पुण्योदय से मिलता है। शरीर और मकान एक जैसे ही है। जिस प्रकार किरायेदार मकान में रहता है, अनुबंधानुसार उसे खाली करना है, ठीक उसी प्रकार, ये औदारिक शरीर भी महा पुण्योदय से ही मिलता है निरोग आरोग्य बना रहे, अकाल मृत्यु से भी बचते रहें। इन दोनों के लिए शरीर का मेन्टेन बराबर होता रहे।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.